शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

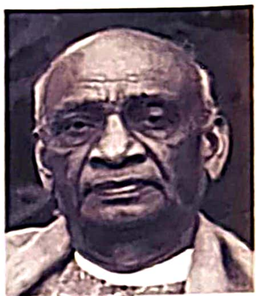

इतिहास विभाग

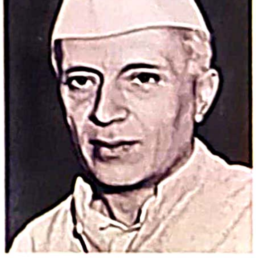

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र [redacted] - [redacted]

2023 - 2024

इतिहास विभाग
वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय की स्थापना 30 जुलाई 1957 को हुई। सन् 1970 से महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर इतिहास विषय की पढ़ाई आरंभ हुई। सन् 1982 में स्नातकोत्तर की कक्षाएं आरंभ हुई। वर्ष भर विभाग में विभिन्न गतिविधियों के संचालन हेतु प्रतिवर्ष इतिहास परिषद् का गठन किया जाता है। वर्तमान सत्र् में निम्न पदाधिकारी है–

अध्यक्ष	–	पेमीन धारगावे एम.ए.अंतिम
उपाध्यक्ष	–	गौरी वर्मा एम.ए.अंतिम वर्ष
सचिव	–	गवाक्षी देवांगन एम.ए. पूर्व
सहसचिव	–	प्रियंका देवांगन एम.ए. पूर्व

महंत दिग्विजय दास व्याख्यान माला –

इतिहास विभाग में विभागीय आयोजन के अंतर्गत दिग्विजय दास व्याख्यान माला में वसंता कॉलेज फार वूमेंन्स राजघाट वाराणसी बनारस की प्राध्यापिका डॉ. पुनीता पाठक, शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ की डॉ. आशा चौधरी तथा शासकीय महाविद्यालय बेलतरा की श्रीमती श्रुति गावस्कर सहायक प्राध्यापक इतिहास का व्याख्यान आयोजन किया गया।

विस्तार गतिविधियां –

विभाग द्वारा 9 जनवरी 2024 को ठाकुर प्यारेलाल हाई स्कूल में छात्र–छात्राओं को नवीन शिक्षा नीति से संबंधित जानकारी प्रदान की गई तथा इतिहास जागरूकता के अंतर्गत इतिहास विषय का महत्व तथा अन्य जानकारी प्रदान की गई।

शोध गतिविधियां –

वर्ष 2023–24 में विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर शैलेंद्र सिंह के 10 रिसर्च पेपर, हिरेंद्र बहादुर ठाकुर के एक, हेमलता साहू का एक तथा डॉक्टर अजय शर्मा का एक पेपर का प्रकाशन हुआ। डॉक्टर अजय शर्मा एवं हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा दार्शनिय खैरागढ़ पुस्तक का प्रकाशन किया गया।

राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम –

विभाग द्वारा दिनांक 25 एवं 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के ऊपर राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रतियोगिता करवाया गया, जिसमें नेपाल सहित 08 राज्यों के 930 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विभागीय आयोजन –

इतिहास विभाग द्वारा विभिन्न महापुरुषों की जयंती भी मनाई गई जिसमें –

- 31 अक्टूबर 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती
- 10 दिसंबर को शहीद वीर नारायण सिंह जयंती
- 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस जयंती
- 23 मार्च 2024 को शहीद दिवस मनाया गया।

नेट/स्लेट परीक्षा की जानकारी –

विद्यार्थियों के प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु तथा नेट से संबंधित जानकारी हेतु विभाग में श्री दीपक वर्मा सहायक अध्यापक घुमका कॉलेज, श्री प्रतीक जैन जे.आर.एफ. स्कॉलर, श्री लोकेश डेविड तथा डॉक्टर शैलेंद्र सिंह प्रोफेसर हिरेंद्र बहादुर ठाकुर, प्रोफेसर हेमलता साहू तथा डॉक्टर अजय शर्मा द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सेमीनार में सहभागिता –

विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर शैलेंद्र सिंह एवं हीरेंन्द्र बहादुर ठाकुर ने अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस 09 एवं 10 सितंबर को गनपत सहाय महाविद्यालय (उत्तर प्रदेश) तथा शासकीय दूधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय रायपुर द्वारा 25 एवं 26 जनवरी को राष्ट्रीय शोध संगठन में तथा हिंदी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में सहभागिता की।

विषय विशेषज्ञ –

विभागाध्यक्ष डॉक्टर शैलेंद्र सिंह को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव, शासकीय दूधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय रायपुर तथा कॉन्फ्रेंस कॉलेज राजनांदगांव में विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

विभाग में भ्रमण –

- महंत राजा दिग्विजय दास के अमेरिका में निवासरत् भाई बहन का भ्रमण
- केरल केडर के आई. ए. एस. श्री कौशलेन्द्र का भ्रमण
- गुजरात पुलिस के अधिकारियों का भ्रमण
- केरल के छात्र छात्राओं का भ्रमण
- शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राओं का भ्रमण

दिग्विजय दास व्याख्यान माला

Govt. Digvijay Autonoumous P.G.College Rajnandgaon (CG)

ORGANIZED BY HISTORY DEPARTMENT

WEBINAAR
ON
ESTABLISHMENT AND DEVELOPMENT OF INDIAN NATIONAL CONGRESS

27 September 2023

On Google meet

11:00 AM

OUR SPECIAL GUEST -

Dr. Punita Pathak
Assistant Professor
Vasanta College for Women,
Rajghat, KFI, BHU, Varanasi

ORGANIZED BY -

Dr. K.L. Tandekar
Principal
Govt. Digvijay Autonoumous PG
College Rajnandgaon (CG)

Dr. Shailendra Singh
Head of Department (History)
Govt Digvijay Autonoumous PG
College Rajnandgaon (CG)

Mr.Hirendra Bahadur Thakur
Assitant professor (History)
Govt Digvijay Autonoumous PG
College Rajnandgaon (CG)

Mrs. Hema sahu
Guest lecturer (History)
Govt Digvijay Autonoumous PG
College Rajnandgaon (CG)

Dr. Ajay Sharma
Guest lecturer (History)
Govt Digvijay Autonoumous
PG College Rajnandgaon (CG)

Mr.pratik jain
JRF qualified scholar (History)
Govt Digvijay Autonoumous PG
College Rajnandgaon (CG)

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

कांग्रेस का उद्देश्य एक देशी संसद का बीजारोपण किया जाना था-डॉ. पुनीता पाठक

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसकी मुख्य वक्ता डॉ पुनीता पाठक वसंता कॉलेज फॉर वूमेन राजघाट वाराणसी थी। व्याख्यान का शीर्षक "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना और विकास" था ।

आरंभ में प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। डॉक्टर पाठक ने अपने व्याख्यान में बताया था कि कांग्रेस की स्थापना के पूर्व भी अनेक संस्थाएं थीए पर वह राष्ट्रीय स्तर की नहीं थी। 1885 में कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य राष्ट्रीय हित के उद्देश्य में संलग्न व्यक्तियों में परस्पर संपर्क स्थापित करने तथा एक देसी संसद का बीजारोपण किया जाना था जो इस बात का जवाब होगा कि भारतीय लोग अब तक की किसी भी प्रकार की प्रतिनिधि संस्था चलाने के योग्य है।

उन्होंने इस तथ्य का विशेष रूप से उल्लेख किया कि आरंभ में कांग्रेस को अंग्रेजों का सहयोग प्राप्त था। 1888 के पश्चात कांग्रेस संबंधी नीतियों में परिवर्तन होना आरंभ हो गया। इसका प्रमुख कारण था भारत में राष्ट्रीय भावना की तीव्र गति से प्रगति। उन्होंने कांग्रेस की स्थापना से संबंधित विभिन्न विचारधारा का भी सविस्तार जानकारी प्रदान की । कांग्रेस के उद्देश्यों से पता चलता है कि इसका आरंभिक लक्ष्य सामाजिक था यह देश हित दृष्टिकोण से भारत में सामाजिक और राष्ट्रीय एकता लाना चाहती थी तथा देश की भलाई में प्रयत्नशील होना चाहती थी। धीरे.धीरे इसका उद्देश्य राजनीति हो गया तथा इसका अंतिम लक्ष्य स्वतंत्रता प्राप्ति हो गया था। अंत में आभार प्रदर्शन हिरेन बहादुर ठाकुर द्वारा किया गया।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331

College Code : 1901

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबकि दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है। अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ.हेमलता साहू द्वारा किया गया।

<u>डॉ. आशा चौधरी शा. नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ द्वारा इतिहास दर्शन पर व्याख्यान</u>

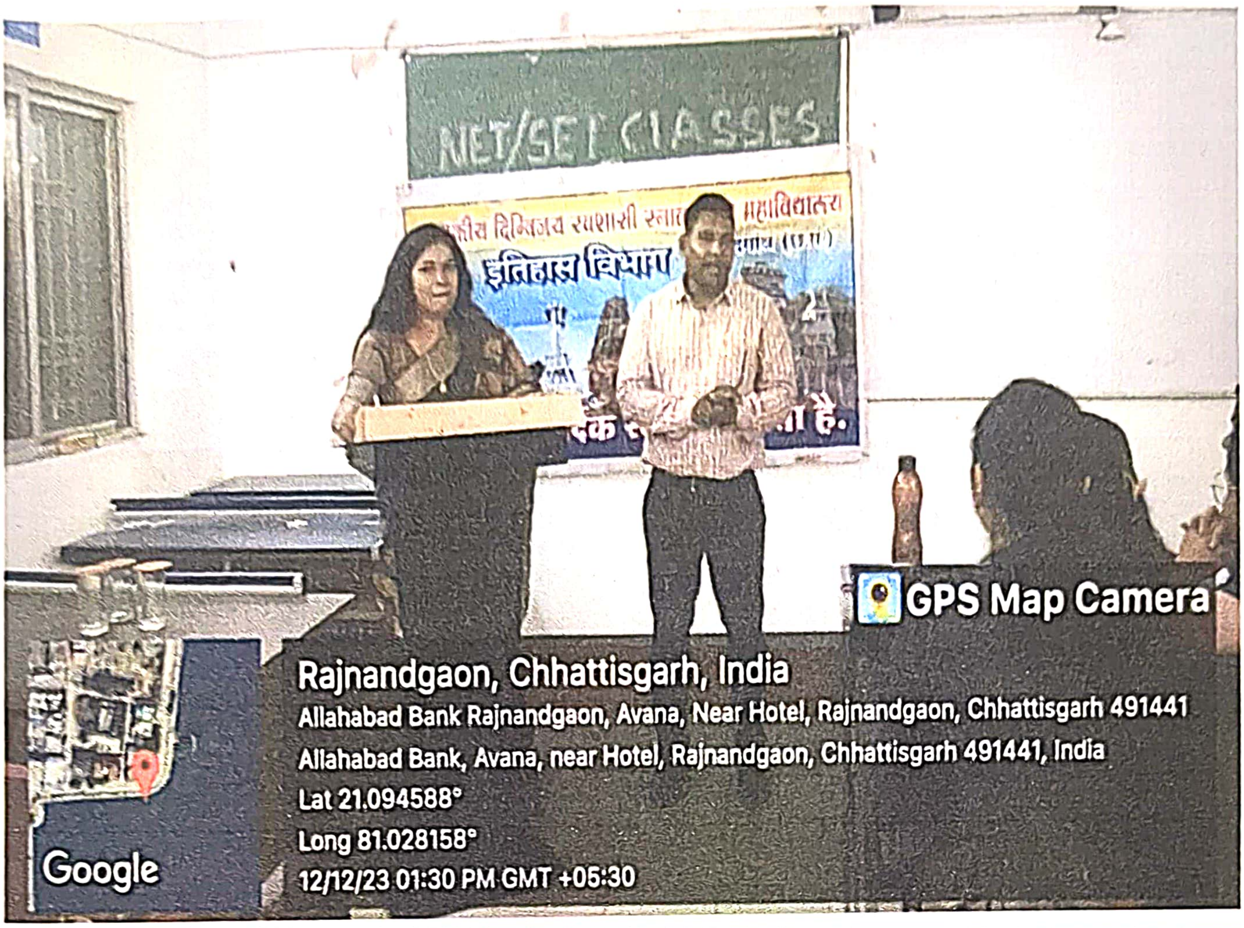

डॉ श्रुति गावस्कर शासकीय महाविद्यालय बेलतरा द्वारा इतिहास विभाग में व्याख्यान

विभागीय आयोजन

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टान्डेकर ने कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के पक्षपाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नही कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्ठुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा "आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे हैं।"

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा – 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह

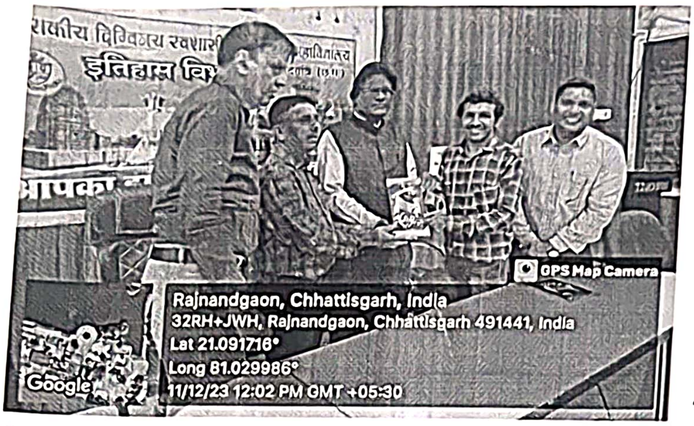

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में बिझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पड़ा तब वीरनारायण सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। करुडोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :– मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद–साहिल रावटे को पुरूस्कार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह

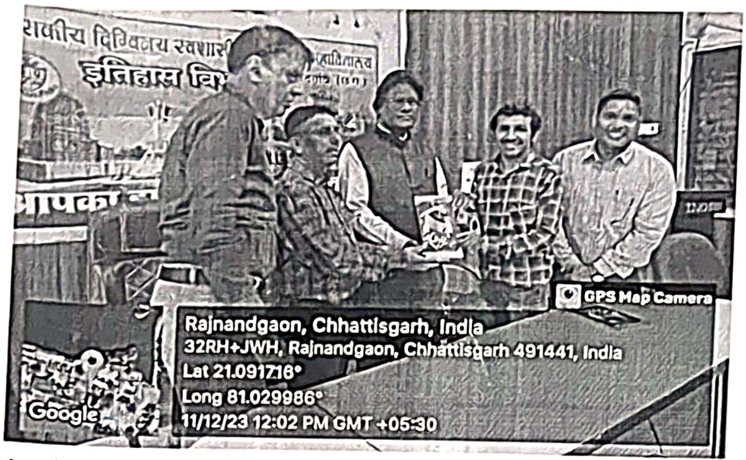

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में बिझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पड़ा तब वीरनारायण सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। कस्डोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :– मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद–साहिल रावटे को पुरूस्कार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपस्थित थे।

शहीद वीर नारायण सिंह जयंती मनाई गई

शहीद वीर नारायण सिंह जयंती पर पुरस्कार

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ़, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटै–छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के स्थान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फ्री इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर ''फारर्वड.ब्लाक'' नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नही किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने ''शहीद दिवस'' मनाया तथा घोषणा की ''हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा'' दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ़, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटे–छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के स्थान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फ्री इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर "फारर्वड.ब्लाक" नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नही किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने "शहीद दिवस" मनाया तथा घोषणा की "हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा" दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय–समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं पर अपनी असंतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर अभिभावकगण श्री पुरूषोत्तम तिवारी, श्री गौतमराय यादव, श्री सच्चिदानंद सोनकर, श्री चैतराम साहू, श्रीमती सुशीला बाई साहू, श्रीमती रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, श्री निखिल दास वैष्णव, श्रीमती हेमबाई साहू, श्री भोजराम साहू तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार हेमलता साहू द्वारा किया गया।

(डॉ. के.एल.टांडेकर)
प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगॉव (छ.ग.)

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

शोध गतिविधियां

इतिहास विभाग
सत्र 2023–24 के शोध पत्रों की सूची

क्र.	शीर्षक	जर्नल	ISSN नंबर	प्रकाशन तिथि	लेखक
1.	कुदरगढ़ – एक सांस्कृतिक पर्यटन स्थल	शिक्षण आणि समाज (education and society)	2278–6864	Vol.46,Issue 04, No. 04, July-September - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री प्रतीक जैन
2.	"महापाषाणीय स्मारक–बालोद जिला"	शिक्षण आणि समाज (education and society)	2278–6864	Vol.47,Issue 01, No. 03, October-December - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री प्रतीक जैन
3.	प्राचीन भारत में शिक्षा प्रणाली	शिक्षण आणि समाज (education and society)	2278–6864	Vol.46,Issue 04, No. 05, July-September - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री दीपक वर्मा
4.	छत्तीसगढ़ कल्चुरी कालीन अभिलेखों में शिव का वर्णन	शिक्षण आणि समाज (education and society)	2278–6864	Vol.46,Issue 04, No. 07, July-September - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री दीपक वर्मा
5.	SUSTAINABLE TOURISM POLICY OF WORLD TOURISM ORGANISATION	शिक्षण आणि समाज (education and society)	2278–6864	Vol.46,Issue 04, No. 05, July-September - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री लोकेश कुमार डेविड
6.	लोक जीवन में पर्यटन का महत्व	शिक्षण आणि समाज (education and society)	2278–6864	Vol.46,Issue 04, No. 07, July-September - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री लोकेश कुमार डेविड
7.	प्राचीन भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन (सुवर्ण द्विप के संबंध में)	जुनिख्यात	2278–4632	Vol.13,Issue 09, No.03, September - 2023	डॉ.अजय कुमार शर्मा श्री हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर
8.	महात्मा गांधी के आंदोलन में महिलाओं की भूमिका (छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में)	जुनिख्यात	2278–4632	Vol.13,Issue 08, No.01, Auguest - 2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह हेमलता साहू
9.	छत्तीसगढ़ में संत गुरूघांसीदास द्वारा मानव विकास में किए गए कार्यो का अध्ययन	जुनिख्यात	2278–4632	Vol.13,Issue 10, No.04, October-2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री देवचरण गावस्कर
10.	छत्तीसगढ़ सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना के विकास में संतनाम पंथ के महिलाओं का योगदान	शिक्षण आणि समाज	2581–6241	Vol.06,Issue 10, October-2023	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री देवचरण गावस्कर
11.	बस्तर के जनजातियों का अध्ययन (अबुझमाडिया जनजाति के संदर्भ में)	जुनी ख्यात	ISSN 2278-4632	Vol-141 Issue-01 Month-June-2024	डॉ.शैलेन्द्र सिंह श्री नंदकिशोर सिन्हा

F:Sharma Dr Syalendra Singh Letter

शिक्षण आणि समाज | Education and Society

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the article entitled

" महापाषाणीय स्मारक - बालोद जिला "

Authored By

शैलेंद्र सिंह

शोध निर्देशक, (शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव छतीसगढ़)

Published in

Education and Society (**शिक्षण आणि समाज**) : ISSN **2278-6864** with IF=6.718

Vol. 47, Issue 01, No.3, October - December : 2023

UGC CARE Approved, Group I, Peer Reviewed,

Bilingual, Multi-disciplinary Referred Journal

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission

Editor

Shikshan Ani Samaj

शिक्षण आणि समाज

Education and Society

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the article entitled

" महापाषाणीय स्मारक - बालोद जिला "

Authored By

प्रतीक जैन

शोधार्थी, (शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ़)

University Grants Commission

Published in

Education and Society (शिक्षण आणि समाज) : ISSN **2278-6864** with IF=6.718

Vol. 47, Issue 01, No.3, October - December : 2023

UGC CARE Approved, Group I, Peer Reviewed,

Bilingual, Multi-disciplinary Referred Journal

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

UGC

University Grants Commission

Editor

Shikshan Ani Samaj

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

JUNI KHYAT
जूनी ख्यात

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This Publication certificate has been issued to

डॉ.शैलेन्द्र सिंह

सहायक प्राध्यापक शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर,महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.)

For the Research paper title

महात्मा गाँधी के आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका (छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में)

Vol.13 Issue 08 No.01 Month August Year.2023

Published in

JUNI KHYAT JOURNAL ISSN: 2278-4632

Impact Factor : 6.625

This journal is indexed, peer reviewed and listed in UGC CARE

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission
Approved Journal

JUNI KHYAT

Editor

6.625

Impact factor

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

शिक्षण आणि समाज

Education and Society

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the article entitled

कुदरगढ़ - एक सांस्कृतिक पर्यटन स्थल

Authored By

शोध निर्देशक . डॉ शैलेंद्र सिंहए

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव

University Grants Commission

Published in

Education and Society **(शिक्षण आणि समाज)** : ISSN **2278-6864** with IF=6.718

Vol. 46, Issue 04, No. 04, July - September : 2023

UGC CARE Approved, Group I, Peer Reviewed,

Bilingual, Multi-disciplinary Referred Journal

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission

Editor
Shikshan Ani Samaj

शिक्षण आणि समाज — Education and Society

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the article entitled

कुदरगढ़ - एक सांस्कृतिक पर्यटन स्थल

Authored By

शोधार्थी .प्रतीक जैन
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव

University Grants Commission

Published in
Education and Society **(शिक्षण आणि समाज)** : ISSN **2278-6864** with IF=6.718
Vol. 46, Issue 04, No. 04, July - September : 2023
UGC CARE Approved, Group I, Peer Reviewed,
Bilingual, Multi-disciplinary Referred Journal

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission

Editor
Shikshan Ani Samaj

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

JUNI KHYAT
जूनी ख्यात

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This Publication certificate has been issued to

डॉ. अजय कुमार शर्मा
अतिथि प्राध्यापक, इतिहास शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

For the Research paper title

प्राचीन भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन (सुवर्णद्वीप के विशेष संदर्भ में)

Vol.13 Issue 09 No.03 Month September Year. 2023

Published in
JUNI KHYAT JOURNAL ISSN: 2278-4632

Impact Factor : 6.625

This journal is indexed, peer reviewed and listed in UGC CARE

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission
Approved Journal

JUNI KHYAT

Editor

6.625

Impact factor

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT
जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

JUNI KHYAT
जूनी ख्यात

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This Publication certificate has been issued to

हिरेंद्र बहादुर ठाकुर
सहायक प्राध्यापक, इतिहास शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

For the Research paper title

प्राचीन भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के पारस्परिक संब`धा` का अध्ययन (सुवर्णद्वीप के विश`ष संदर्भ में)

Vol.13 Issue 09 No.03 Month September Year. 2023

Published in
JUNI KHYAT JOURNAL ISSN: 2278-4632

Impact Factor : 6.625

This journal is indexed, peer reviewed and listed in UGC CARE

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission
Approved Journal

JUNI KHYAT

Editor

6.625

Impact factor

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

JUNI KHYAT
जूनी ख्यात

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This Publication certificate has been issued to

कु. हेमलता साहू
शोधार्थी शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.)

For the Research paper title

महात्मा गाँधी के आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका (छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में)

Vol.13 **Issue**08 **No.**01 **Month**August **Year.**2023

Published in
JUNI KHYAT JOURNAL ISSN: 2278-4632

Impact Factor : 6.625

This journal is indexed, peer reviewed and listed in UGC CARE

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission
Approved Journal

JUNI KHYAT

Editor

6.625

Impact factor

जूनी ख्यात JUNI KHYAT जूनी ख्यात JUNI KHYAT

अंतर्राष्ट्रीय
एवं
राष्ट्रीय सेमीनार

F:Sharma Dr Syalendra Singh Letter

इतिहास विभाग

सत्र 2023–24 में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सेमीनार में सहभागिता

1. **अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस** – गणपत सहाय पी.जी.कॉलेज सुलतानपुर (यू.पी.)
   – दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर 2023

2. **विषय विशेषज्ञ** – शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)
   – दिनांक 12 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2023

3. **विषय विशेषज्ञ** – राष्ट्रीय सेमीनार–छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव
   – शास. दुधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
   – दिनांक 26 एवं 27 फरवरी 2024

4. **राष्ट्रीय वेबीनार** – शास.मॉडल पी.जी.कॉलेज, झाबुआ (एम.पी.)
   – दिनांक 31 मई 2024

5. **ओरिएन्टेशन प्रोग्राम FDP** – टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम
   – पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
   – दिनांक 02 अप्रेल 2024 से 13 अप्रेल 2024 तक

6. **ओरिएन्टेशन प्रोग्राम** – कम्प्युटर ट्रेनिंग प्रोग्राम
   – दिनांक 22 फरवरी से 28 फरवरी 2024 तक

G20 भारत 2023 INDIA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ANPAT SAHAI P.G. COLLEGE SULTANPUR, U.P., INDIA

Affiliated To : Dr. RML Awadh University, Ayodhya (U.P.), India

Two Days

INTERNATIONAL CONFERENCE

ON

"Excellence in Higher Education: Emerging Concerns and the Road Ahead"

(MULTIDICIPLINARY) OCTOBER- 9th & 10th, 2023 (HYBRID MODE)

IN COLLABORATIONS WITH INDIAN ECONOMIC ASSOCIATION (IEA) & UPUEA

CERTIFICATE

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Mrs. ....SHAILENDRA SINGH....

ignation ....ASSISTANT PROFESSOR.... University/College ....GOVT. DIGVIJAY P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON

participated in International Conference as Resource Person/Chaired a session/Reportier /Recorder/delivered Invited Lecture

sented Research Paper entitled ..."Problems of Declining Quality Higher Education: Some observations from Chhattisgarh, India"...

ing Technical Session of International Conference held at Ganpat Sahai PG College, Sultanpur (U.P.), India.

(Dr. S. P. Mishra)
Convener

(Prof. Mohd. Shamim)
Organizing Secretary

Prof. (Dr.) Angrej Singh 'Rana'
Principal

G20 भारत 2023 INDIA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

GANPAT SAHAI P.G. COLLEGE SULTANPUR, U.P., INDIA

Affiliated To : Dr. RML Awadh University, Ayodhya (U.P.), India

Two Days

INTERNATIONAL CONFERENCE

ON

"Excellence in Higher Education: Emerging Concerns and the Road Ahead"

(MULTIDICIPLINARY) OCTOBER- 9th & 10th, 2023 (HYBRID MODE)

IN COLLABORATIONS WITH INDIAN ECONOMIC ASSOCIATION (IEA) & UPUEA

CERTIFICATE

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Mrs. HIRENDRA BAHADUR THAKUR

Designation Assitant Professor University/College Govt. Digvijay P.G. College, Rajnandgaon.

has participated in International Conference as Resource Person/Chaired a session/Reportier /Recorder/delivered Invited Lectur /Presented Research Paper entitled ....

....

during Technical Session of International Conference held at Ganpat Sahai PG College, Sultanpur (U.P.), India.

(Dr. S. P. Mishra)
Convener

(Prof. Mohd. Shamim)
Organizing Secretary

Prof. (Dr.) Angrej Singh 'Rana'
Principal

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग रायपुर,
स्वशासी प्रकोष्ठ एवं जनभागीदारी प्रबंधन समिति द्वारा प्रायोजित

दो दिवसीय बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

" वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श "

5-6 मार्च 2024

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, सहायक प्राध्यापक
संस्था का नाम शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव ने हिंदी विभाग, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.) द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मुख्य अतिथि / विषय विशेषज्ञ / सत्राध्यक्ष / शोध वाचक / प्रतिभागी के रूप में सक्रिय सहभागिता करके संगोष्ठी को गरिमा प्रदान की।
शोध पत्र का शीर्षक "भारतीय पुनर्जागरण में नारी एवं महिला शिक्षा की प्रगति"

इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ यह प्रमाण पत्र सहर्ष प्रदान किया जाता है।

डॉ. बी.एन. जागृत	डॉ. प्रवीण कुमार साहू	डॉ. के.एल. टाण्डेकर
विभागाध्यक्ष/संयोजक	सह संयोजक	प्राचार्य/संरक्षक

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग रायपुर,
स्वशासी प्रकोष्ठ एवं जनभागीदारी प्रबंधन समिति द्वारा प्रायोजित

दो दिवसीय बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

" वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श "

5-6 मार्च 2024

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. ......अजय कुमार शर्मा, अतिथि प्राध्यापक......

संस्था का नाम ......शास. दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महा. राजनांदगाँव (छ.ग.)...... ने हिंदी विभाग, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.) द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मुख्य अतिथि / विषय विशेषज्ञ / सत्राध्यक्ष / शोध वाचक / प्रतिभागी के रूप में सक्रिय सहभागिता करके संगोष्ठी को गरिमा प्रदान की |

शोध पत्र का शीर्षक ......" सविनय अवज्ञा आंदोलन और अभूतपूर्व नारी जागरण "......

इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ यह प्रमाण पत्र सहर्ष प्रदान किया जाता है |

डॉ. बी.एन. जागृत	डॉ. प्रवीण कुमार साहू	डॉ. के.एल. टाण्डेकर
विभागाध्यक्ष/संयोजक	सह संयोजक	प्राचार्य/संरक्षक

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग रायपुर,
स्वशासी प्रकोष्ठ एवं जनभागीदारी प्रबंधन समिति द्वारा प्रायोजित

दो दिवसीय बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

" वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श "

5-6 मार्च 2024

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. ......हेमलता साहू......

संस्था का नाम ...शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव...... ने हिंदी विभाग, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.) द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मुख्य अतिथि / विषय विशेषज्ञ / सत्राध्यक्ष / शोध वाचक / प्रतिभागी के रूप में सक्रिय सहभागिता करके संगोष्ठी को गरिमा प्रदान की।

शोध पत्र का शीर्षक ...वैश्विक परिदृश्य में नारियों हेतु सामाजिक समदृश्यता का आयाम......

इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ यह प्रमाण पत्र सहर्ष प्रदान किया जाता है।

डॉ. बी.एन. जागृत	डॉ. प्रवीण कुमार साहू	डॉ. के.एल. टाण्डेकर
विभागाध्यक्ष/संयोजक	सह संयोजक	प्राचार्य/संरक्षक

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

इतिहास विभाग

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ. शैलेन्द्र सिंह

पद प्राध्यापक संस्था शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव

ने इतिहास विभाग, शासकीय दू.ब. महिला स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) और महाकोसल इतिहास परिषद रायपुर (छ.ग.) एवं संचालनालय, पुरातत्व, संग्रहालय एवं अभिलेखागार रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव-विशेष संदर्भ आरंग** विषय पर 26 एवं 27 फरवरी 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और राजनांदगांव जिले का सांस्कृतिक वैभव विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. शम्पा चौबे	डॉ. महेन्द्र कुमार सार्वा	डॉ. किरण गजपाल
संयोजक एवं विभागाध्यक्ष	आयोजक सचिव	प्राचार्य एवं संरक्षक

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

इतिहास विभाग

माणित किया जाता है कि श्री हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर

द सहा० प्राध्यापक संस्था शा० दिग्विजय कालेज राजनांदगाव

इतिहास विभाग, शासकीय दू.ब. महिला स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) और महाकोसल तिहास परिषद रायपुर (छ.ग.) एवं संचालनालय, पुरातत्व, संग्रहालय एवं अभिलेखागार रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त त्वावधान में आयोजित **छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव-विशेष संदर्भ आरंग** विषय पर 6 एवं 27 फरवरी 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और बालोद जिले का सांस्कृतिक वैभव विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. शम्पा चौबे	डॉ. महेन्द्र कुमार सार्वा	डॉ. किरण-गजपाल
संयोजक एवं विभागाध्यक्ष	आयोजक सचिव	प्राचार्य एवं संरक्षक

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

इतिहास विभाग

प्रमाणित किया जाता है कि **डॉ. शैलेन्द्र सिंह**

पद **प्राध्यापक** संस्था **शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ़** ने इतिहास विभाग, शासकीय दू.ब. महिला स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) और महाकोसल इतिहास परिषद रायपुर (छ.ग.) एवं संचालनालय, पुरातत्व, संग्रहालय एवं अभिलेखागार रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव-विशेष संदर्भ आरंग** विषय पर 26 एवं 27 फरवरी 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और **सत्राध्यक्ष विषय विशेषज्ञ** विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है

डॉ. शम्पा चौबे

डॉ. महेन्द्र कुमार सार्वा
आयोजक सचिव

डॉ. किरण गजपाल
प्राचार्य एवं संरक्षक

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

इतिहास विभाग

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ. शैलेंद्र सिंह

पद प्राध्यापक संस्था शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ़ ने इतिहास विभाग, शासकीय दू.ब. महिला स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) और महाकोसल इतिहास परिषद रायपुर (छ.ग.) एवं संचालनालय, पुरातत्व, संग्रहालय एवं अभिलेखागार रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव - विशेष संदर्भ आरंग** विषय पर 26 एवं 27 फरवरी 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और सत्राध्यक्ष विषय विशेषज्ञ विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. शम्पा चौबे

डॉ. महेन्द्र कुमार सार्वा
आयोजक सचिव

डॉ. किरण गजपाल
प्राचार्य एवं संरक्षक

सत्यमेव जयते

Government of India

MALAVIYA MISSION
TEACHER
TRAINING PROGRAMME

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

University Grants Commission

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

NEP 2020 ORIENTATION & SENSITIZATION PROGRAMME

This is to certify that **Shailendra Singh** from Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon, (C.G.) has completed the NEP 2020 Orientation & Sensitization Programme under Malaviya Mission Teacher Training Programme (MM-TTP) of University Grants Commission (UGC) Organized by Malaviya Mission Teacher Training Centre, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.) from 02.04.2024 to 13.04.2024

Prof. Preeti K. Suresh
Director/Coordinator(MM-TTC)

सत्यमेव जयते
Government of India

MALAVIYA MISSION TEACHER TRAINING PROGRAMME

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
University Grants Commission

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

NEP 2020 ORIENTATION & SENSITIZATION PROGRAMME

This is to certify that **Hirendra Bahadur Thakur** from Govt. Digvijay P.G. Autonomous College, Rajnandgaon, (C.G.) has completed the NEP 2020 Orientation & Sensitization Programme under Malaviya Mission Teacher Training Programme (MM-TTP) of University Grants Commission (UGC) Organized by Malaviya Mission Teacher Training Centre, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (C.G.) from 02.04.2024 to 13.04.2024

Prof. Preeti K. Suresh
Director/Coordinator(MM-TTC)

C.No. - FDP-2024-027

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE RAJNANDGAON (C.G.)

ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

This Certificate is proudly presented to

HIRENDRA BAHADUR THAKUR

Has participated in the one week Computer Training Faculty Development Program for College Staff on **"Advance Office Automation"** from 22 Feb to 28 Feb 2024 organized by Department of Computer Science and Computer Application.

CONVENER	CO-CONVENER	PRINCIPAL
MR. RAJU KHUNTTEY	MRS. HEMPUSHPA	DR. K.L.TANDEKAR

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE RAJNANDGAON (C.G.)

(REACCREDITED B++ BY NAAC ISO 9001-2015 & 14001-2015 CERTIFIED)

One Week Faculty Development Programme

On

Introductive Training of Government Servants

01-08-2023 to 08-08-2023

Certificate of Participation

This is to certify that Dr./Prof./Mr./Mrs. ....Hemlata sahu............ ......Department of History...... of Government Digvijay Autonomous P.G. College Rajnandgaon (C.G.) has Participated in One Week Faculty Development Program on "Introductive Training of Government Servants" organized jointly by the Human Resources Development Cell And Internal Quality Assurance Cell from 01/08/2023 to 08/08/2023.

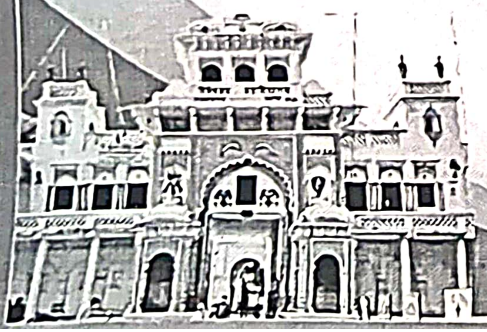

Co-ordinator IQAC	Co-ordinator Human Resource Development Cell	Principal & Patron

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
Rajnandgaon (Chhattisgarh)

REACCREDITED B++ BY NAAC
ISO 9001-2015 & 14001-2015 CERTIFIED
AFFILIATED TO HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA,DURG

Two Days National Seminar
on

Situational Formations : Opening new vistas of research in Geog-science.

01-02 MARCH 2024

CERTIFICATE

This is to certify that Prof./Dr./Shree/Mrs/Mr./Ku. Ajay Kumar Sharma, Govt. Digvijay Auto. P.G. College, University/College/Organization has participated / presented a paper titled .... in the National Seminar on ***"Situatonal Formations : Opening new vistas of research in Geog-science"*** organized by the Department of Geography, IQAC, jointly sponsored by the Department of Higher Education Govt. of Chhattisgarh and the Autonomous Cell of the College.

Dr. Shradha Devi Sahu
Secretary

Dr. S. Jenamani
Convenor

Dr. K.L. Tandekar
Principal & Patron

Shri Hemraj Doura
Treasurer

Miss. Shristi Sharma
Joint Secretary

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
Rajnandgaon (Chhattisgarh)

REACCREDITED B++ BY NAAC
ISO 9001-2015 & 14001-2015 CERTIFIED
AFFILIATED TO HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA,DURG

Two Days National Seminar
on

Situational Formations : Opening new vistas of research in Geog-science.

01-02 MARCH 2024

CERTIFICATE

This is to certify that Prof./Dr./Shree/Mrs/Mr./Ku. Hireendra Bahadur Thakur, Govt. Digvijay Auto. P.G. College University/College/Organization has participated / presented a paper titled .... in the National Seminar on ***"Situational Formations : Opening new vistas of research in Geog-science"*** organized by the Department of Geography, IQAC, jointly sponsored by the Department of Higher Education Govt. of Chhattisgarh and the Autonomous Cell of the College.

Dr. Shradha Devi Sahu
Secretary

Dr. S. Jenamani
Convenor

Dr. K.L. Tandekar
Principal & Patron

Shri Hemraj Doura
Treasurer

Miss. Shristi Sharma
Joint Secretary

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), INDIA

Social Science and Management Welfare Association

Two Days International Conference On Multidisciplinary Research in Sustainable Agriculture Development : Opportunities & Challenges

SADOC 2023

DATE : 25 - 26 August, 2023
VENUE : Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India

CERTIFICATE

This is to certify that Prof/Dr/Shri/Mrs./Mr./Ku.

Hemlata

University / College / Organization

Guest Lecturer, History, Govt. Digvijay College, Rajnandgaon

Registration No. **152** Subject **History** in the Two Days International Conference On Multidisciplinary Research in Sustainable Agriculture Development : Opportunities & Challenges. International Conference jointly organized by Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India & Social Science and Management Welfare Association.

He / She successfully attended / Participated / Presented a paper entitled

Sustainable Agriculture Development : Opportunities & Challenges

Dr. Jairus Casian Mlowe
Vice President-Social Science & Management Welfare Association
Tanjania, Africa
Advisory Board Member SSMWA

Dr. K. L. Tandekar
President of Conference
Principal, Govt. Digvijay Autonomous P. G. College, Rajnandgaon (C.G.), India
Advisory Board Member SSMWA

Ms. Ragini Parate
Organizing Secretary
Assistant Professor of Commerce
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)

Dr. Dr. S.K. Uke
Convener
H.O.D. Department of Commerce
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)

Sponsored By

The Universal Publisher · The Global Publisher · ISRS International Scientific Research Solution · SRF

SRF International & National Research Journal & Book Publication House

Certificate ID
ISBQG4-CE000273

Govt. Model PG College, Jhabua (M.P.)

National Webinar On 31 May 2024

Certificate

This is certify that HIRENDRA BAHADUR THAKUR from GOVT. DIGVIJAY PG AUTONOMOUS COLLEGE RAJNANDGAON CHHATTISGARH has participated/ presented the paper title in National Webinar On

"Importance of Career Counseling and Motivational in Higher Education"

Dr. Rakesh Baghel	Dr. Dilip Parsendiya	Dr. Ravindra Singh
Administrative Officer & IQAC Co-Ordinator	Convener	Principal Govt. Model PG College Jhabua (M.P.)

Made for free with Certify'em

Certificate ID
ISBQG4-CE000240

Govt. Model PG College, Jhabua (M.P.)

National Webinar On 31 May 2024

Certificate

This is certify that DR SHAILENDRA SINGH from Govt Digvijay Autonomous College Rajnandgaon has participated/ presented the paper title No in National Webinar On

"Importance of Career Counseling and Motivational in Higher Education"

Dr. Rakesh Baghel
Administrative Officer &
IQAC Co-Ordinator

Dr. Dilip Parsendiya
Convener

Dr. Ravindra Singh
Principal
Govt. Model PG College
Jhabua (M.P.)

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय

राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम - 2023

"छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक धरोहर एवं पर्यटन स्थल"

12 दिसंबर 2023 से 30 दिसंबर 2023

प्रमाण पत्र

हम आभारी हैं कि

डॉ. शैलेन्द्र सिंह

विभागाध्यक्ष, इतिहास, शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़ के इतिहास विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के अंतर्गत "छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक परिचय" विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में दिनांक 12 दिसंबर, 2023 को सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिवार आभार के साथ आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. फुलसो राजेश पटेल	डॉ. निर्मला उमरे	डॉ. सुमन सिंह बघेल
संयोजक	IQAC प्रभारी	प्राचार्य/संरक्षक

Government Pt. J.L.N. Arts and Science P.G. College, Bemetara

Raipur Road, District - Bemetara, Chhattisgarh 491335, www. govtpgcollegebemetara.com

Certificate Of Participation

This is to certify that

Ms. Hemlata

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon

Has successfully participated in Divisional Level Workshop on Holistic Assessment in The Light of NEP – 2020.

Date 19 August 2023, Saturday

Reg. No.

Dr. P.P. Chandravanshi
Principal
Govt. Pt. J.L.N. Arts & Science P.G. College Bemetara

Dr. S.C. Tiwari
Additional Director
Higher Education, Durg Regional

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

my GOV
मेरी सरकार

CERTIFICATE

OF PARTICIPATION

Bureau of Police Research and Development under
Ministry of Home Affairs and MyGov congratulates

Shailendra Singh

for successfully completing the

Quiz on Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023.

We acknowledge your effort and urge you to spread awareness.

Shri Akash Tripathi, IAS
CEO, MyGov

विस्तार–गतिविधियां

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)
Web site- www.digvijaycollege.com Email: principal@digvijaycollege.com ☎: & Fax 07744-296331
College Code : 1901

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा है – डॉ.शैलेन्द्र सिंह

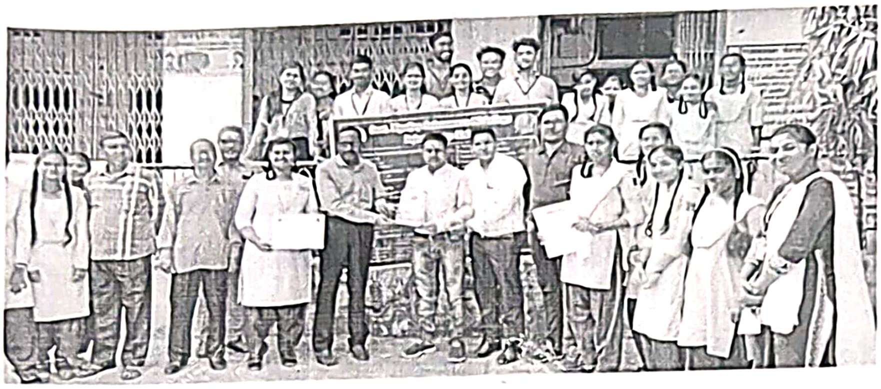

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.के.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह उच्चत्तर माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षो के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षो के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षो के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नही होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जी.ई.विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्रशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभक्ति विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य श्री भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाऐंगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुवों से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सहीं जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।

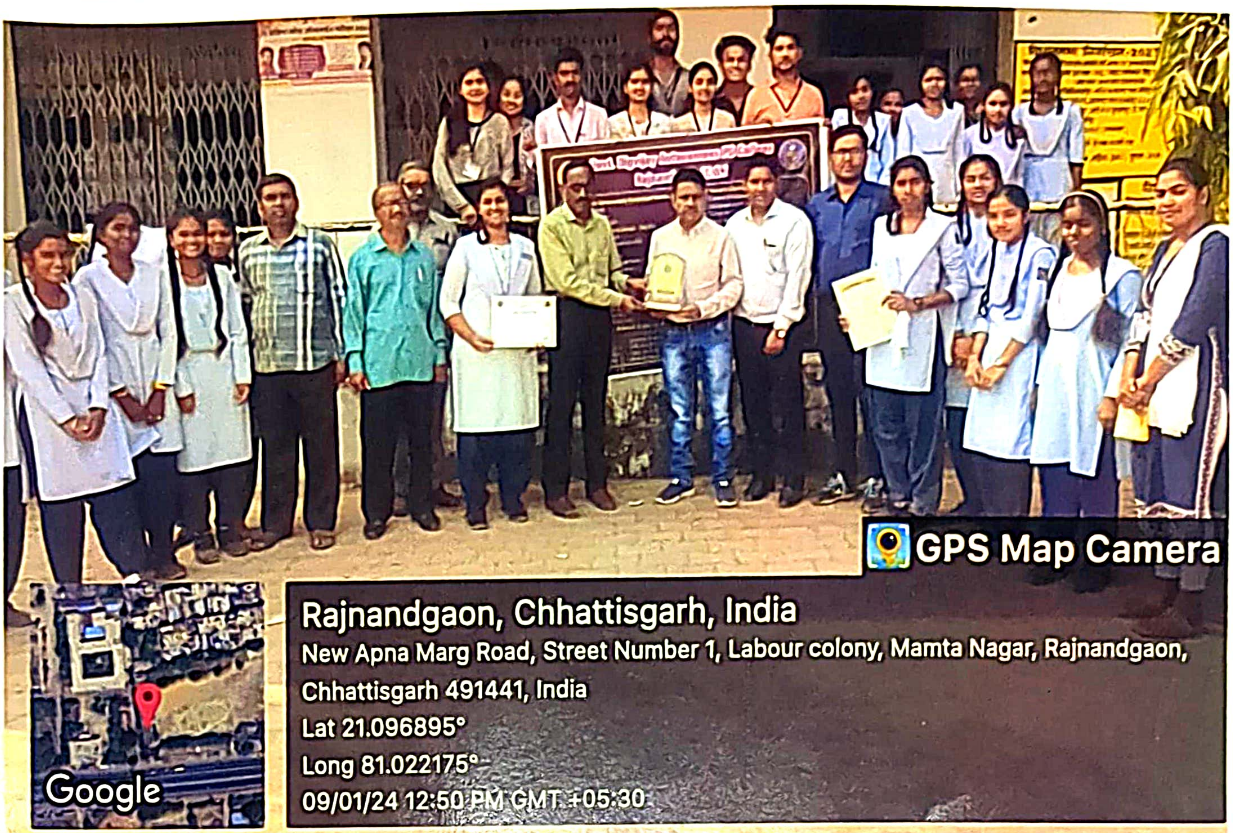

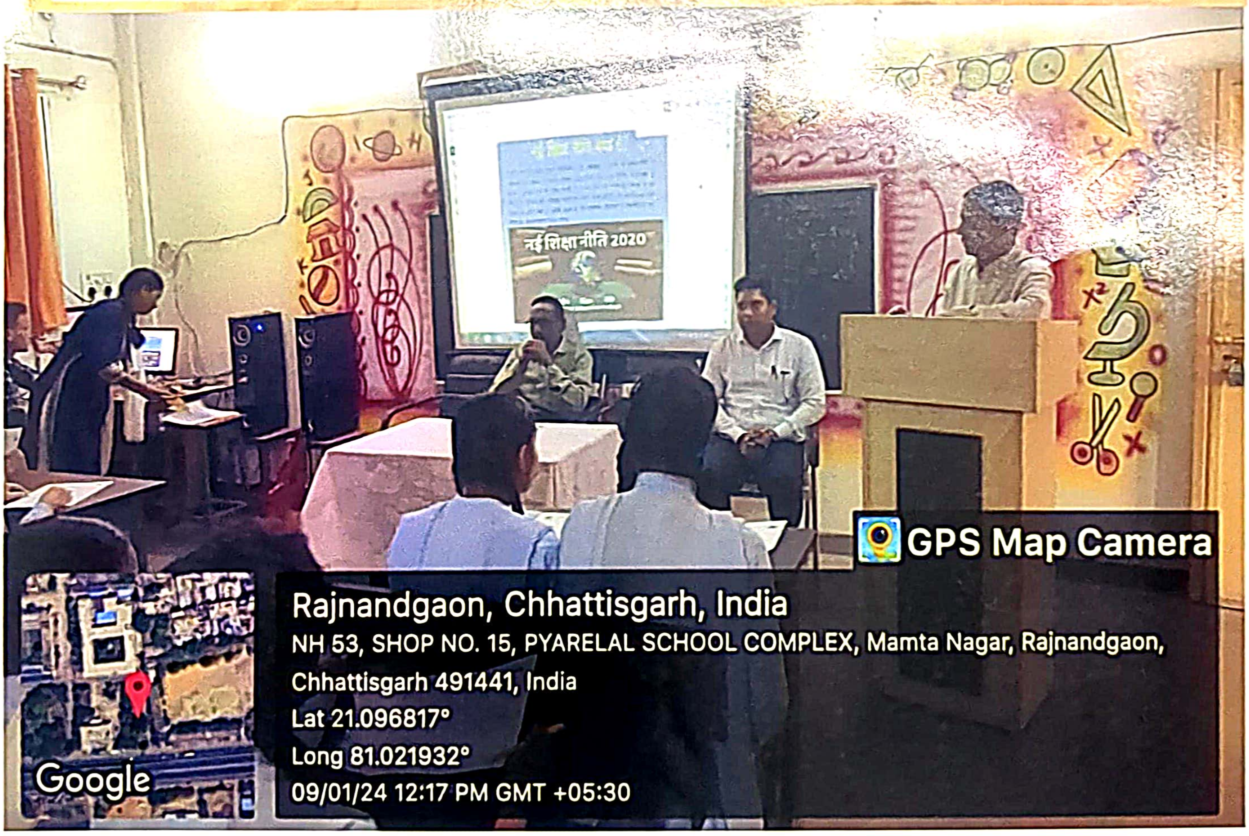

ठाकुर प्यारेलाल सिंह स्कूल में नई शिक्षा नीति 2020 एवं इतिहास जागरुकता अभियान

कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सहभागिता

स्वीप प्रोग्राम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में दिनांक 23 अगस्त 2023 को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों, स्कूलों में छात्र/छात्राओं ने सहभागिता दी थी, इस कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्राध्यापकों डॉ.शैलेन्द्र सिंह, प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने विभाग के छात्र–छात्राओं के साथ सहभागिता निभाई। इस अवसर पर जिलाधीश श्री डोमन सिंह के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने मिलकर शत–प्रतिशत मतदान हेतु जागरूकता अभियान में पूर्ण सहभागिता की बात कही। श्री डोमनसिंह द्वारा छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर उन्हे लोगों के मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु संदेश देने की बात कही।

मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता

कलेक्टर महोदय श्री डोमन सिंह जी के साथ

विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान

शासकीय डी.वी. गर्ल्स कॉलेज, रायपुर मे व्याख्यान

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाव में व्याख्यान

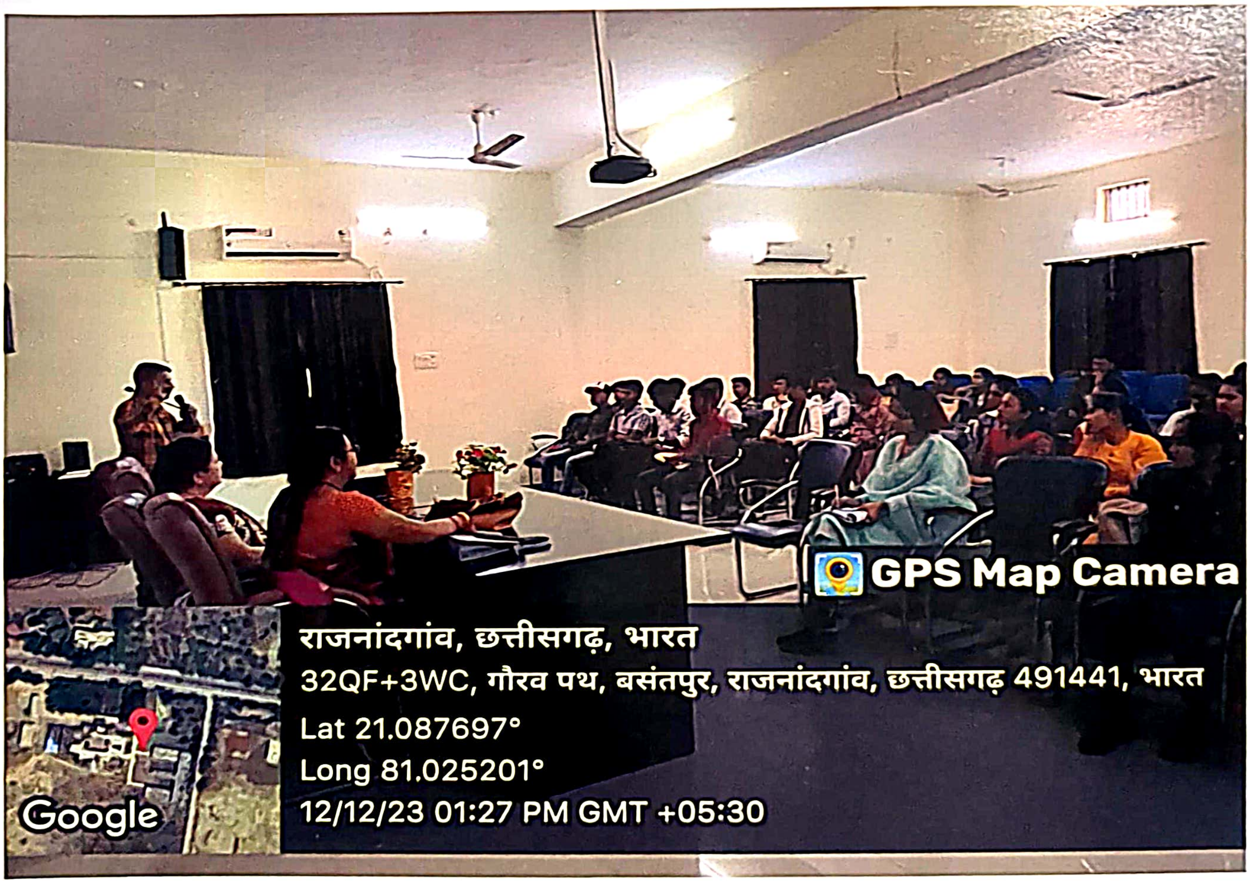

Studio

Search across your channel

CREATE

Your channel
Dr. shailendra singh

Dashboard
Content
Analytics
Comments
Subtitles
Copyright
Earn
Customization
Audio library

Settings
Send feedback

Channel analytics

ADVANCED MODE

Overview | Content | Audience | Research

Jan 19, 2012 – May 7, 2024
Lifetime

Your channel has gotten 14,405 views so far

Views	Watch time (hours)	Subscribers
14.4K	487.0	+711

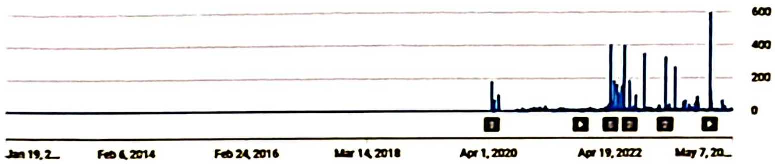

SEE MORE

Realtime
• Updating live

711
Subscribers
SEE LIVE COUNT

4
Views · Last 48 hours

Top content	Views
बिस्मार्क की गृहनीति (1870-1890)	3
मुगलकालीन स्थापत्य कला ! (अप...	1

SEE MORE

Latest content

Your top content in this period

Content	Average view duration	Views

Studio

Search across your channel

CREATE

Your channel
Dr. shailendra singh

Dashboard
Content
Analytics
Comments
Subtitles
Copyright
Earn
Customization
Audio library

Settings
Send feedback

Overview | Content | Audience | Research

Jan 19, 2012 – May 7, 2024
Lifetime

Your top content in this period

	Content	Average view duration	Views
1	बिस्मार्क की गृहनीति (1870-1890) Apr 20, 2020	2:45 (13.8%)	6,220
2	भारत का पर्यटन केंद्र स्थल मनाली Dec 19, 2023	1:46 (24.8%)	1,211
3	सिहावा डोंगरी (छत्तीसगढ़ का पुरातात्विक स्थल) Nov 15, 2022	1:48 (21.7%)	1,100
4	महाबलीपुरम (तमिलनाडु) May 19, 2023	0:59 (13.7%)	934
5	लुम्बिनी (बुद्ध की जन्मस्थली) Jul 14, 2022	1:53 (18.7%)	821
6	22 April 2022 Apr 22, 2022	0:56 (40.6%)	664
7	भोरमदेव (छत्तीसगढ़ का खजुराहो) Mar 21, 2023	1:36 (24.0%)	617
8	मुगलकालीन स्थापत्य कला। May 12, 2022	1:16 (21.1%)	574
9	पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू (नेपाल) Aug 17, 2022	1:12 (24.8%)	548

Latest content

First 141 days 17 hours compared to your typical performance:

Views	1.2K	
Impressions click-through rate	2.7%	
Average view duration	1:46	

SEE VIDEO ANALYTICS

1 of 2

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय

ब्लॉक –3, द्वितीय एवं तृतीय मंजिल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

Email- highereducation.cg@gmail.com; Website- highereducation.cg.gov.in

//आदेश//

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 21/03/2024

क्र. 207/124/आउशि/समन्वय/2024 :: छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक एफ 3–32/2019/38–1 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 15.03.2024 द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में लागू किया गया है। अतः आगामी सत्र के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानानुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी किये गये स्नातक स्तर के करिकुलम एवं क्रेडिट फ्रेमवर्क के आधार पर सेमेस्टरवार क्रेडिट आधारित कोर्स करिकुलम तैयार करने के लिये विषयावार समिति निम्नानुसार गठित की जाती है।

विज्ञान संकाय

भौतिक शास्त्र

1. डॉ. आर. एस. खेर, प्राचार्य, शास. मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय, सीपत – संयोजक
2. डॉ. नमीता ब्रम्हे, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर – सदस्य
3. डॉ. मनेन्द्र मेहता, शास. नवीन महाविद्यालय, अकलतरी, बिलासपुर – सदस्य
4. डॉ. बी. नाग भार्गवी, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धरसींवां – सदस्य
5. डॉ. कुसुमांजली देशमुख, शास. व्ही.वॉय.टी. स्नातकोत्तर महा0 दुर्ग – सदस्य

रसायन शास्त्र

1. डॉ. अजय सिंह, शास. व्ही.वॉय.टी. स्नातकोत्तर महा0 दुर्ग – संयोजक
2. डॉ. ए. के. सिंह, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी – सदस्य
3. डॉ. आशीष तिवारी, शास. महाविद्यालय, पानगढ – सदस्य
4. डॉ. हेमन्त देशमुख, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धरसींवां – सदस्य
5. डॉ. मनोज कुमार, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तोकापाल – सदस्य

गणित

1. डॉ. यू.के. श्रीवास्तव, शास. स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, बिलासपुर – संयोजक
2. डॉ. पुरषोत्तम झा, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार – सदस्य
3. डॉ. प्रेमलता वर्मा, स्वामी आ.न. अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय, बिलासपुर – सदस्य
4. डॉ. आर. एन. पटेल, शास. मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय, सीपत – सदस्य
5. डॉ. पद्यमावती, शास. व्ही.वॉय.टी. स्नातकोत्तर महा0 दुर्ग – सदस्य

भूगर्भशास्त्र

1. डॉ. एन. बोधनकर, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर – संयोजक
2. डॉ. संदीप वानसुत्रे, शास. नागार्जुन विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर – सदस्य
3. डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग – सदस्य
4. श्री.. एम. आरिफ, शास. स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, बिलासपुर – सदस्य
5. डॉ. ए. के. झा, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर – सदस्य

कम्प्यूटर साइंस, कम्प्यूटर एप्लिकेशन तथा सूचना प्रौद्योगिकी

1. डॉ. एच. एस. होता, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर –संयोजक
2. डॉ. स्वाति जैन, शास. जे.यो. छत्तीसगढ़ महा० रायपुर –सदस्य
3. डॉ. सुरेन्द्र पटेल, शास. नागार्जुन विज्ञान स्नातकोत्तर महा०, रायपुर –सदस्य
4. डॉ. एस. के. साहु, शास. व्ही.वॉय.टी. स्नातकोत्तर महा० दुर्ग –सदस्य
5. डॉ. प्रकाश कुमार त्रिपाठी, शासकीय स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय, नारायणपुर –सदस्य
6. डॉ. अनिल कुमार साहु, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवीरधाम –सदस्य
7. डॉ. एल के गवेल, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद –सदस्य

वणिज्य संकाय

1. डॉ. ओ. पी. गुप्ता, शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर महा० राजनांदगांव –संयोजक
2. डॉ. रमेश कुमार पाण्डेय, शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महावि., बिलासपुर –सदस्य
3. डॉ. पूजा पाण्डेय, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर –सदस्य
4. डॉ. ज्ञानेन्द्र शुक्ला, शास. महाविद्यालय, बीरगॉव, रायपुर –सदस्य
5. डॉ. शशि कश्यप, शास. महाविद्यालय, जामूल, दुर्ग –सदस्य
6. डॉ. आनन्द शर्मा, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायगढ़ –सदस्य
7. सुश्री रागिनी, शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर महा० राजनांदगांव –सदस्य

कला संकाय (समाजिक विज्ञान एवं साहित्य)

अर्थशास्त्र

1. डॉ. मदन मोहन जोशी, शास. महाविद्यालय, कटघोरा –संयोजक
2. डॉ. पुर्णिमा मिश्रा, शास. जे.यो. छत्तीसगढ़ महा० रायपुर –सदस्य
3. डॉ. डी. के. मस्ता, शास. दुधा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर –सदस्य
4. डॉ. अंशुमाला चन्द्राकर, शास. व्ही.वॉय.टी. स्नातकोत्तर महा० दुर्ग –सदस्य
5. डॉ. रविन्द्र चन्द्रवंशी, शासकीय महाविद्यालय, चारामा कांकेर –सदस्य

समाजशास्त्र

1. डॉ. अश्वनी महाजन, शास. व्ही.वॉय.टी. स्नातकोत्तर महा० दुर्ग –संयोजक
2. डॉ. संजय चन्द्राकर, शास. जे.यो. छत्तीसगढ़ महा० रायपुर –सदस्य
3. डॉ. शशि गुप्ता, शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महावि., बिलासपुर –सदस्य
4. डॉ. अमृता पाठक, शास. महाविद्यालय, कुम्हारी, भिलाई –सदस्य
5. डॉ अरूण कुमार सिन्हा, शास. महाविद्यालय, कटघोरा –सदस्य

इतिहास

1. डॉ. वासुदेव साहसी, शास. जे.यो. छत्तीसगढ़ महा० रायपुर –संयोजक
2. डॉ. शैलेन्द्र सिंह, शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर महा० राजनांदगांव –सदस्य
3. डॉ. बी.के. प्रसाद, शासकीय महाविद्यालय, मैनपुर –सदस्य
4. डॉ. रीता पाण्डेय, शासकीय स्नातकोत्तर महा० महासमुन्द –सदस्य
5. डॉ. ए.के. पाण्डे, शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय, कोटा –सदस्य

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेन्सी एरिया
इन्दौर

Contact no.(office):- 0731-2710076
Mob no.:- 94250-29308
email :- drpradeepkumar.khare@mp.gov.in

क्रमांक–Q-1 /2023/अनु.–10

इंदौर, दिनांक :–19/01/2024

प्रति,

डॉ. शैलेन्द्र सिंह,
सहा. प्राध्यापक–इतिहास,
शास. दिग्विजय महाविद्यालय,
राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

विषय :– परीक्षा संबंधी गोपनीय कार्य हेतु आमंत्रित करने विषयक।

संदर्भ :– 1–पत्र क्र.–904/1676/2021/38–1 दिनांक 21.06.2021 मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल। 2–1704/624/आउशि/शा–2/21 दिनांक 06.10.2021 कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन, सतपुड़ा भवन, भोपाल।

––00––

महोदय,

उपर्युक्त विषय में सादर अनुरोध है कि आपको आयोग द्वारा परीक्षा संबंधी गोपनीय कार्य के लिए दिनांक 27.01.2024 से दिनांक 05.02.2024 तक के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। कृपया उक्त कार्य हेतु आयोग कार्यालय में उपस्थित होने का कष्ट करें। रेल एवं बस से यात्रा करने पर पात्रता अनुसार निर्धारित यात्रा देयक की पात्रता होगी। स्वयं के वाहन से यात्रा करने पर 10/– प्रति किलोमीटर के मान से भुगतान किया जाएगा।

02/ आपके ठहरने हेतु होटल इन्फिनिटी, पता–Hotel Infinity 1-C/CA, Scheme No.- 94, Opposite Bombay Hospital Ring road Indore (MP) Tel.-(0731)-4048888 में व्यवस्था शेयरिंग आधार पर की गई है। आपके यात्रा की सूचना 01 दिवस पूर्व होटल मैनेजर (विकास चहर–9993076186, 9926182214) को दिए जाने पर रेलवे स्टेशन/बस स्टैण्ड से होटल तक टैक्सी की व्यवस्था की जाएगी। आपके होटल में उपस्थित होने पर अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें।

03/ गोपनीय कार्य हेतु आयोग कार्यालय आने पर निम्नानुसार दस्तावेज साथ में लाना आवश्यक है :–

स.क्र.	विवरण	कुल प्रति
01	रेल अथवा बस से यात्रा करने पर रेल अथवा बस का टिकट।	01 प्रति
02	स्वयं के वाहन (कार/टैक्सी) से यात्रा करने पर टोल टैक्स स्लीप/फास्टैग के मैसेज का प्रिंट आउट।	01 प्रति
03	पेन कार्ड की छायाप्रति।	01 प्रति
04	आधार कार्ड की छायाप्रति।	01 प्रति
05	बैंक पासबुक की बैंक खाता विवरण पृष्ठ की छायाप्रति।	01 प्रति

04/ रेल, बस अथवा स्वयं की कार से यात्रा करने पर यात्रा के प्रमाण हेतु रेल अथवा बस का टिकट एवं स्वयं की कार से यात्रा करने पर टोल टैक्स स्लीप/फास्टैग के मैसेज का प्रिंट आउट की स्लीप प्रस्तुत किए जाने पर ही यात्रा देयक का भुगतान किया जा सकेगा। अतः उपरोक्तानुसार प्रमाण आवश्यक रूप से यात्रा देयक के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

डॉ. प्रदीप कुमार खरे
उप परीक्षा नियंत्रक
म. प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

प्रतिलिपि :– प्राचार्य संबंधित महाविद्यालय को सूचनार्थ।

Scanned with CamScanner

कार्यालय कलेक्टर जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

//आदेश//

क्रमांक 390/237/2023–24 राजनांदगांव दिनांक 9/10/2023

छ.ग.शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर का पत्र क्र. 7287/6197/2023/18 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 09.10.2023 में दिये गये निर्देशानुसार राज्य शासन आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (MOHUA) द्वारा आयोजित सिटी ब्यूटी कॉम्पिटीशन में नगरीय निकायों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के मूल्यांकन एवं स्थल निरीक्षण हेतु निम्नानुसार जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाता है :–

स.क्र.	नाम	पदनाम	समिति सदस्य
01	श्री अमित कुमार (IAS)	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत राजनांदगांव	अध्यक्ष
02	श्री गौतम पाटिल	डिप्टी कलेक्टर जिला स्तरीय अधिकारी	सदस्य सचिव
03	सुश्री नीना रायचा	अर्बन प्लानिंग सदस्य क्रमांक– 01	सदस्य
04	श्री नवीन साहू	आर्किटेक्ट सदस्य क्रमांक– 02	सदस्य
05	श्री लोकेश मेंधे	सिविल इन्जीनियरिंग विषय का विशेषज्ञ सदस्य	सदस्य
06	श्री शैलेन्द्र सिंह	हिस्ट्री विषय का विशेषज्ञ सदस्य (HOD दिग्विजय कॉलेज)	सदस्य

यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

कलेक्टर
जिला – राजनांदगांव

पृ. क्रमांक 391/2023–24 राजनांदगांव दिनांक 9/10/2023

प्रतिलिपि –

1. अवर सचिव, छ.ग.शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर को सूचनार्थ।
2. संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायुपर की ओर सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत राजनांदगांव की ओर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
4. संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग की ओर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
5. आयुक्त नगर पालिक निगम, राजनांदगांव की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।
6. समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी जिला राजनांदगांव की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।
7. सर्व संबंधित को पालनार्थ/सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

कलेक्टर
जिला – राजनांदगांव

इतिहास विभाग में विभिन्न भ्रमण की गतिविधयाँ

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं तथा विशेष व्यक्तियों द्वारा महाविद्यालय भ्रमण के दौरान राजनांदगांव के इतिहास तथा महाविद्यालय के इतिहास की जानकारी प्राप्त की गई। इस वर्ष के महत्वपूर्ण व्यक्तियों में अमेरिका से आये महंत दिग्विजय दास के चचेरे भाई श्री राजदास एवं उनकी बहन थी। इसके अलावा गुजरात पुलिस के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ–साथ शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं, श्री कौशलेन्द्र आई.ए.एस.अधिकारी केरल ने विभाग में रियासतकालीन फोटोग्राफ्स एवं दस्तावेजों को देखा विभाग के प्राध्यापकों विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह, प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, डॉ.अजय शर्मा, हेमलता साहू द्वारा महाविद्यालय तथा विभाग के विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई।

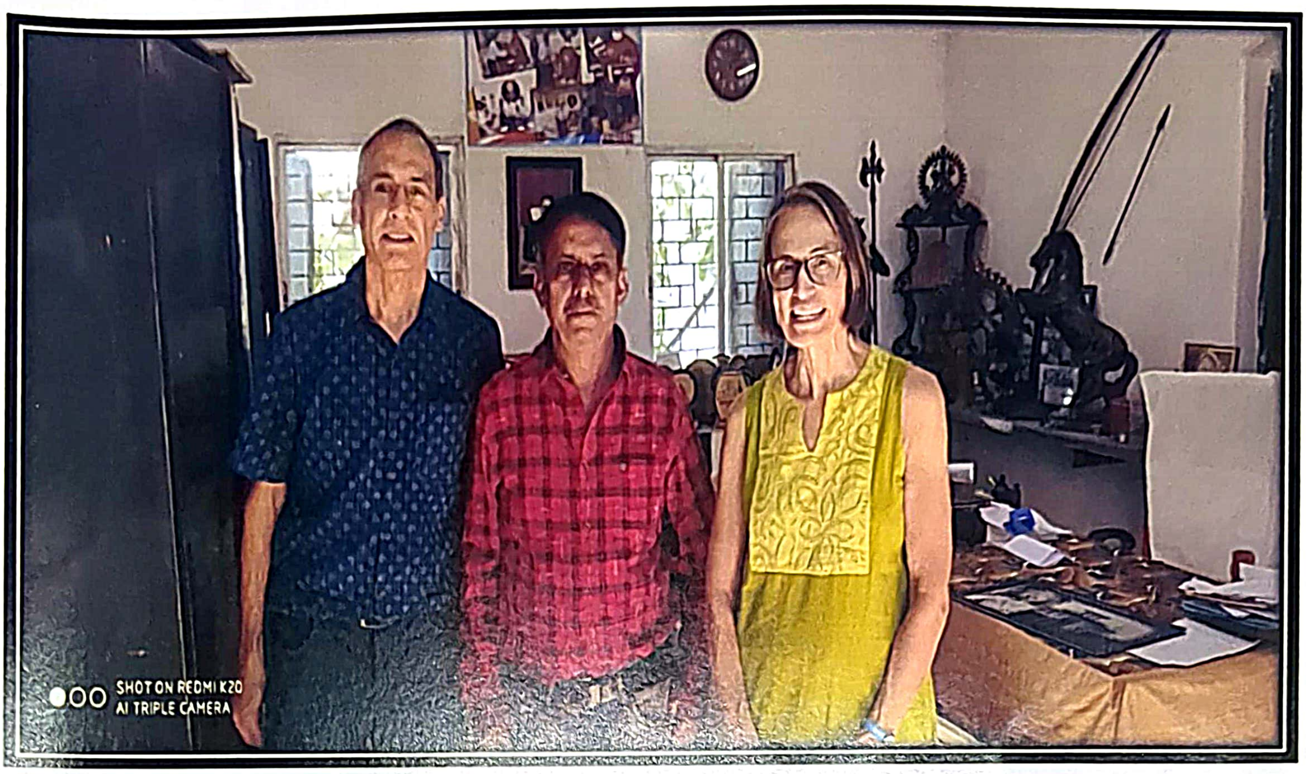

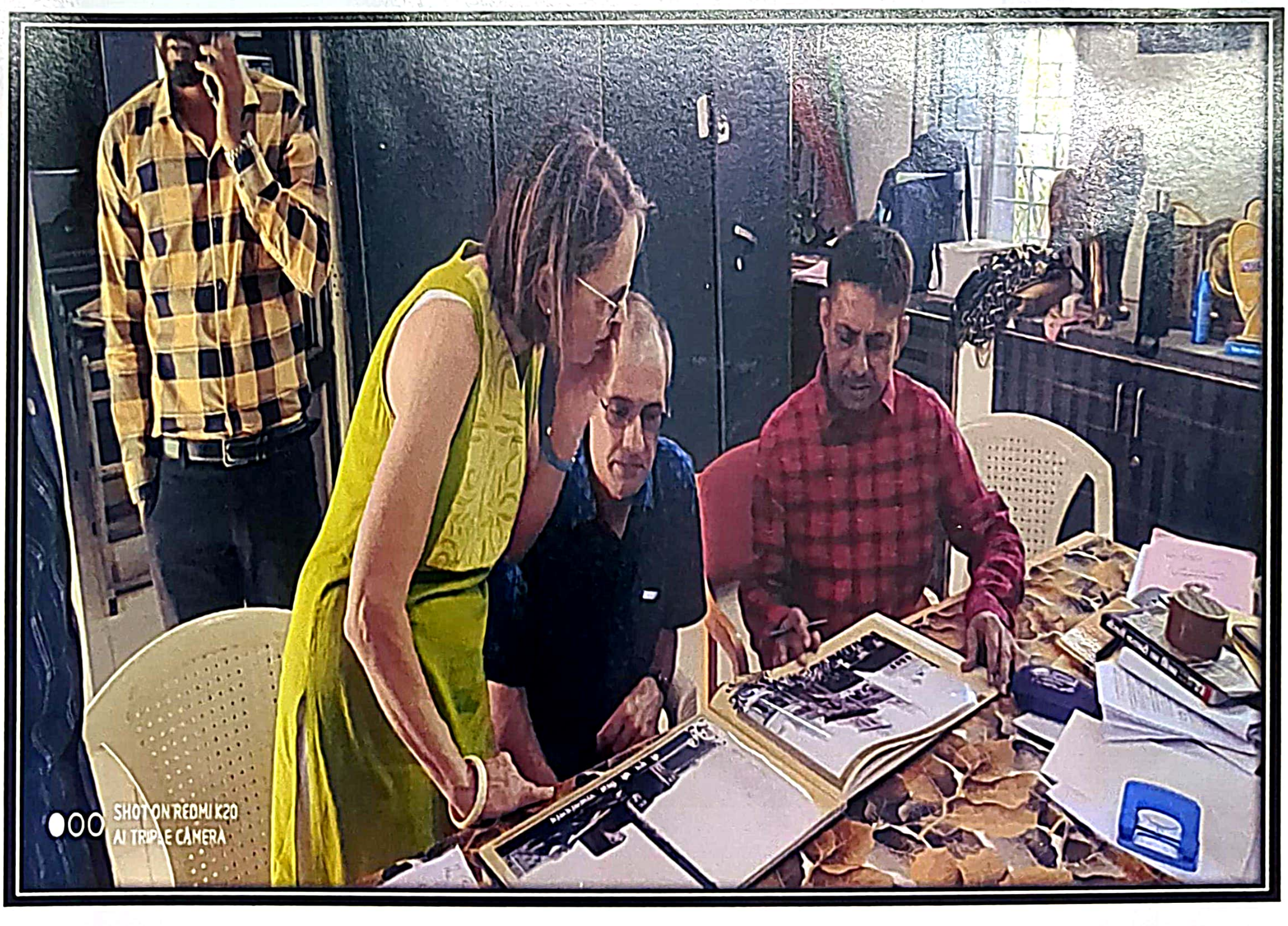

इतिहास विभाग में दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए

महंत राजा दिग्विजय दास के भाई और बहन का महाविद्यालय का भ्रमण

NCC
GPS Map Ca
Govt.
Autor
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India

NCC
GPS Map Cam
Govt.
Autor
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091864°
Long 81.029722°
22/11/23 01:26 PM

इतिहास विभाग द्वारा गुजरात पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को महाविद्यालय के इतिहास के बारे में बताया गया

<u>शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनंदगांव इतिहास विभाग के छात्र-छात्राओं के द्वारा इतिहास विभाग का शैक्षणिक भ्रमण</u>

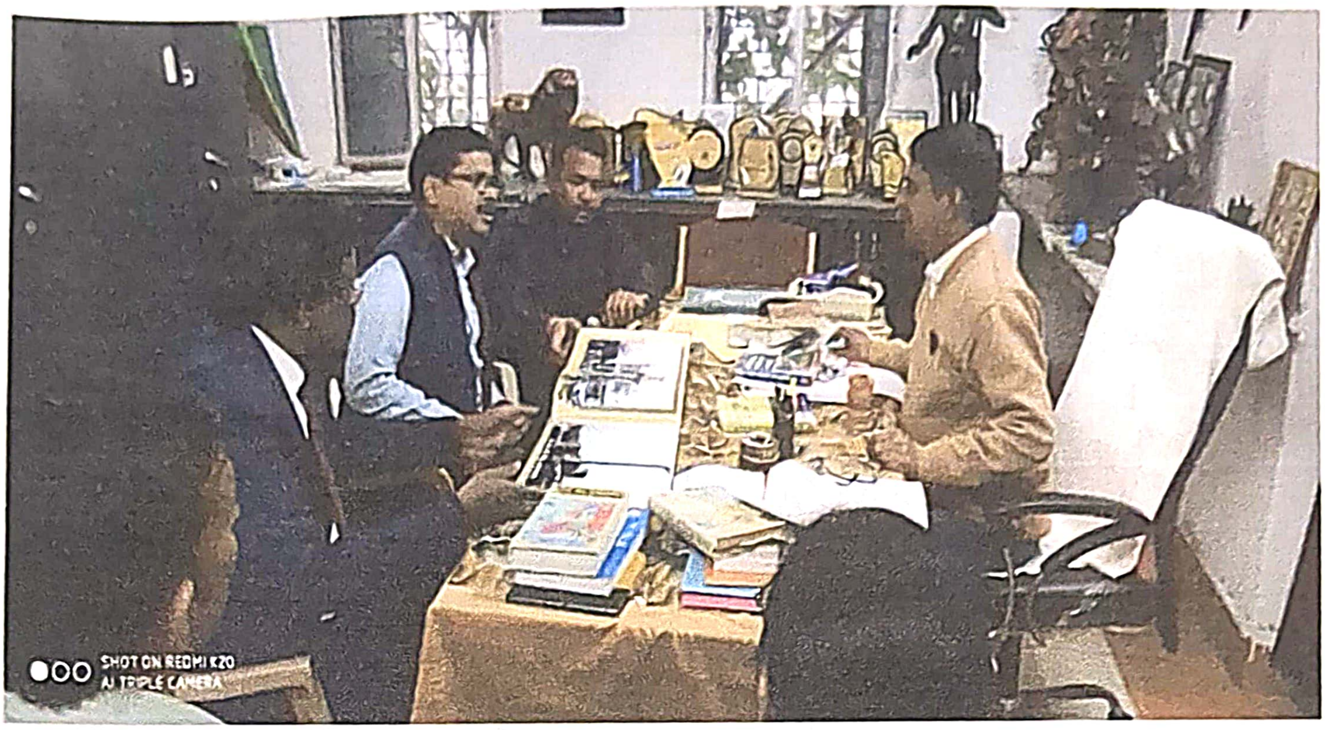

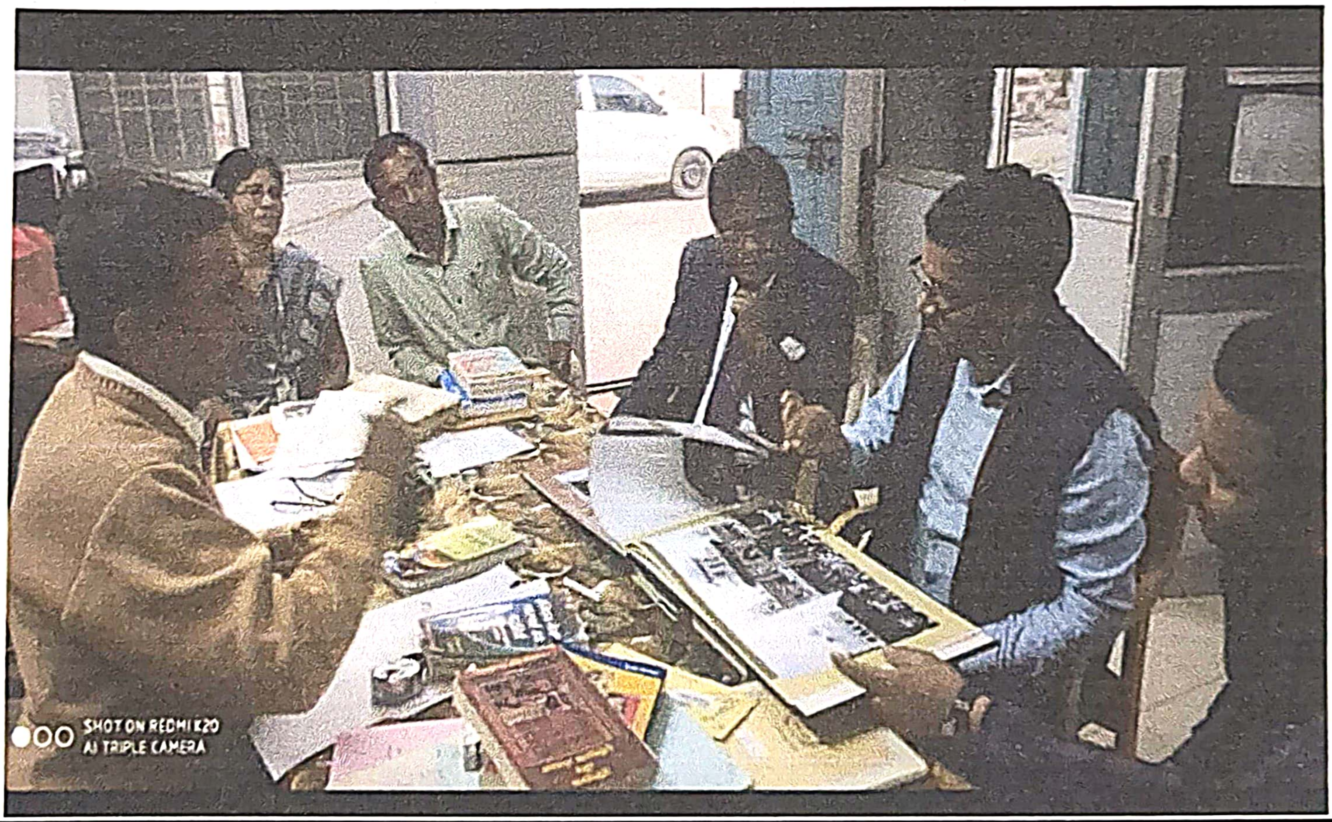

श्री कौशलेन्द्र आई.ए.एस. ऑफिसर (केरल) द्वारा इतिहास विभाग का भ्रमण

राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

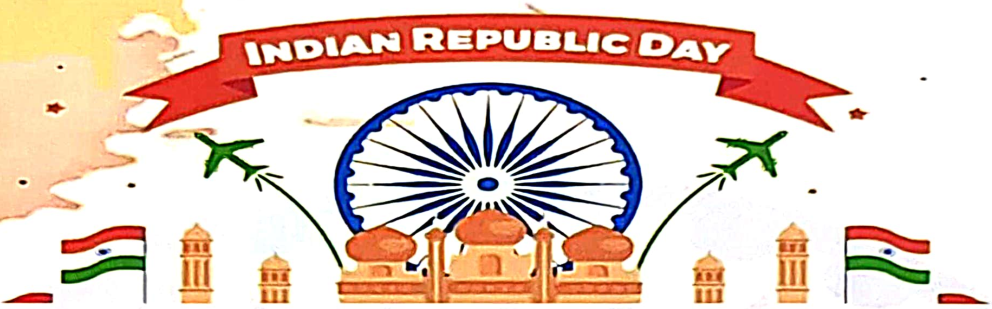

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इतिहास विभाग द्वारा

ऑनलाइन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

Online Quiz Competition live on

25th January, 2024 at 11:00 am

to

27th January, 2024 at 06:00 pm

Online Quiz Competition live link-

https://forms.gle/ooVhoNx1vxQM5Au2A

प्रतिभागिओं के लिए निर्देश-

- प्रत्येक प्रश्न 2 अंक के हैं
- 40 % से अधिक अंक आने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा
- प्रतिभागी अपना mail-id सही fill करें

डॉ. के.एल. टांडेकर
प्राचार्य

डॉ. शैलेंद्र सिंह
विभागाध्यक्ष , इतिहास

श्री हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर
सहायक प्राध्यापक, इतिहास

हेमलता साहू
अतिथि व्याख्याता, इतिहास

डॉ अजय कुमार शर्मा
अतिथि व्याख्याता, इतिहास

श्री प्रतीक जैन
शोध विद्यार्थी, इतिहास

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

25th January, 2024 to 27th January, 2024

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ. / श्री / श्रीमती / कु. **<<प्रतिभागी का नाम>>**, **<<संस्था का नाम>>** ने गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित.....

डॉ. शैलेन्द्र सिंह
विभागाध्यक्ष , इतिहास

डॉ. के.एल. टाण्डेकर
प्राचार्य

Timestamp	Email Address	Score	प्रतिभागी का नाम	पद का नाम	संस्था का नाम	पूरा पता	राज्य	मोबाइल नंबर
1/25/2024 16:30:	devidkumarghritlahare@gmail.com	28 / 30	Devid Ghritlahare	B.Sc II	Govt College Lav	Village DHABAD	Chhattisgarh	6261368809
1/25/2024 16:33:	baitriveni149@gamil.com	28 / 30	Sharda thakur	Students	साइंस कॉलेज शिवन	Basantpur rajnar	Chattisgarh	7879138939
1/25/2024 16:39:	sonamsahu635@gmail.com	26 / 30	Sonam sahu	Student	Govt.H.S.School	Panduka	Chhattisgarh	6260294405
1/25/2024 16:40:	ishreyapandey00@gmail.com	30 / 30	Shreya pandey	Student	Government coll	Lawan	Chhatisgarh	8461080807
1/25/2024 16:41:	farzananikhat4@gmail.com	28 / 30	Nikhat farzana	Student	Ganpat sahai P.C	H. No. -226 shah	Uttar Pradesh	8318229643
1/25/2024 16:42:	priyaverma9098147918@gmail.cor	28 / 30	Priya verma	Bsc (3) year	Govt digvijay coll	Jogi dalli	Chhattisgarh	9343860164
1/25/2024 16:45:	banjarechhaya72@gmail.com	28 / 30	Chhaya banjare	Bsc part 1	Govt college law	Parsapali	Chhattisgarh	9329062103
1/25/2024 16:47:	tarunaverma186@gmail.com	14 / 30	Taruna Verma	Research Schola	Govt. Digvijay Au	Rajnandgaon	Chhattisgarh	6266555612
1/25/2024 16:47:	avans2412@gmail.com	24 / 30	Avan kumar	Bsc1st sem.	Govt. DMV Rajna	Village bakhrutol	Chhattisgarh	6261494172
1/25/2024 16:47:	damlehema5@gmail.com	22 / 30	Hema damle	B.a.final year	Govt lal chakrad	Sirmunda	C.g.	9669859564
1/25/2024 16:49:	homeshpappu@gmail.com	24 / 30	Homesh kumar	Student	Naveen college t	Village-sirsahi, pc	Chhtishgrah	6267832761
1/25/2024 16:49:	anujkushwahaau@gmail.com	26 / 30	Anuj Kumar	Research schola	MGAHV Wardha	Hindi University \	Maharashtra	9506716005
1/25/2024 16:49:	chandrakarpayal06@gmail.com	16 / 30	Payal chandraka	Bsc 2nd year	Digvijay autonom	Village Bharregaı	Chhattisgarh	9302503298
1/25/2024 16:51:	kiranjain78020@gmail.com	28 / 30	Dr. Kiran Jain	Assistant profess	Government Divi	Paras krishi kenc	Chhattisgarh	8319363099
1/25/2024 16:52:	yogeshkumarsinha28@gmail.com	28 / 30	Yogesh kumar si	Student	Government Dig	Village-Jamri blo	Chhattisgarh	09109666091
1/25/2024 16:53:	dollysoni1388@gmail.com	22 / 30	Mrs.Dolly Soni	Assistant Profess	Govt.Kavyopadh	Purani Basti Kan	Chhattisgarh	8817819086
1/25/2024 16:54:	Upkar147@gmail.com	20 / 30	Upkar Dutt Sharr	Principal	Adarsh Inter colle	Nali Husainpur H	Uttar Pradesh	9456451292
1/25/2024 16:56:	rahul175756x@gmail.com	22 / 30	Rahul	BSc 3rd semeste	Govt.Digvijay Au	Vill/Post - Salhet	Chhattisgarh	7067042974
1/25/2024 17:00:	meghnathdhurve066@gmail.com	28 / 30	MEGHNATH DH	Computer oprate	CSPDCL BORI (I	Dhaurabhatha , p	CHHATTISGARH	6261569234
1/25/2024 17:01:	rinku.siwan20@gmail.com	26 / 30	Rinku Kumari	Student	Banaras Hindu U	Rajwal bhatni De	Uttar pradesh	9648009496
1/25/2024 17:01:	narendrajanghelnarendra41@gmai	16 / 30	NARENDRA KUI	Student	Digvijay mahavid	Kutile khurd kcg	Chhattisgarh	9754493996
1/25/2024 17:02:	surajdamle59@gmail.com	28 / 30	Suraj damle	Iti	Ambagarh chowk	Sirmunda	C g	9669214668

(2)

1/25/2024 17:02:	surajdahariya1634@gmail.com	30 / 30	Soniya	B.sc.3 bio	Govt college Law	Juda post lahod	Chhattisgarh	7828000782
1/25/2024 17:03:	upkarduttsharma@gmail.com	28 / 30	Neeraj sharma	Housewife	NA	Meerut	UP	9756921582
1/25/2024 17:03:	nidhimahendra9@gmail.com	30 / 30	Nidhi verma	Phd scholar	Ganpat sahai p.g	Vill.&post.. Shah	Uttar pradesh	7237069364
1/25/2024 17:05:	dipanshudipanshu481@gmail.com	24 / 30	Dipanshu Lodhi	MA (history)	Digvijay autonom	Sirsahi pos.sirsal	Chhattisgarh	6267959147
1/25/2024 17:05:	shrivastavaarchita6@gmail.com	24 / 30	Shivani shrivasta	X-ray technician	RDC hospital raj	Kila para rajnand	Chhattisgarh	8817756840
1/25/2024 17:05:	amantkoshle@gmail.com	22 / 30	Amant Kumar	Student	Govt college law	Village - Dharash	Chhattisgarh	9516607249
1/25/2024 17:06:	chhannisahu5@gmail.com	28 / 30	Chhanni	Student	Digvijay college r	Kirgi post khursh	Chhattisgarh	6261310009
1/25/2024 17:07:	anumayshrivastava45@gmail.com	30 / 30	Anumay Shrivast	Student	Ganpat Sahay pg	Village & post de Pin code - 22812	Uttar Pradesh	6306182552
1/25/2024 17:10:	kumariguriyagk123@gmail.com	24 / 30	गुड़िया कुमारी	एम. ए. प्रथम वर्ष छ	वसंत महिला महावि	वाराणसी, राजघाट	उत्तरप्रदेश	9729761569
1/25/2024 17:14:	deepakksahu22@gmail.com	30 / 30	Deepak Kumar S	B.a 3year	Digvijay college	Pandaritai abhgh	Cg	6268464067
1/25/2024 17:14:	priyankasahu01230@gmail.com	28 / 30	Priyanka sahu	M.A Final	Government digv	Bundeli kala post	Chhattisgarh	9691209984
1/25/2024 17:16:	vepralsaumya2005@gmail.com	26 / 30	Vepral Saumya	Student	DB girls pg autor	DB girls pg autor	Chhattisgarh	9399249600
1/25/2024 17:18:	vy7478164@gmail.com	30 / 30	Vandana Yadav	Student MA 1 ye	Vasanta College	Rajghat Varanasi	Uttar Pradesh	9673524738
1/25/2024 17:19:	yogitasahu01002@gmail.com	26 / 30	YOGITA	SAHU	Govt digvijay aut	Village-mokhla ,p	Chattisgarh	7723048281
1/25/2024 17:21:	kapilyashdwivedi2512@gmail.com	28 / 30	Sudhendu dwive	Research schola	University of luck	Fatehpur tekari k	Uttarpradesh	7905912215
1/25/2024 17:21:	devidkumarmeriya7@gmail.com	22 / 30	Devid Kumar Me	Student B.sc 1	Govt. Lcs collage	Village - Nicheko	Chhattisgarh	7987526833
1/25/2024 17:22:	netambhumika371@gmail.com	28 / 30	Bhumika Netam	Student	Govt. Digvijay Au	Village -Basula, F	Chhattisgarh	8817495663
1/25/2024 17:22:	sp9400170@gamil.com	26 / 30	SUBHASH PATE	B.A. final	Lawan	Village Manipur S	Chhattisgarh	7805063591
1/25/2024 17:25:	dewanganpiyush984@gmail.com	18 / 30	PIYUSH DEWAN	STUDENT	GOVT.DIGVIJAY	GANDHI NAGAR	CHHATTISGARH	9165089481
1/25/2024 17:28:	anannya.history1543@rla.du.ac.in	30 / 30	Anannya Sharma	Student	Vasanta College	Vasantashram Pl	Uttar Pradesh	9911191026
1/25/2024 17:28:	modiroshni875@gmail.com	30 / 30	Roshni modi	Ma 1st year	Vasanta collage t	Rajghat Varanasi	Uttar pradesh	6307392289
1/25/2024 17:30:	sandeepkumarsahu370@gmail.cor	20 / 30	Sandeep Kumar	Student	Rani Padmavati I	Lormi	Chhattisgarh	8966947214
1/25/2024 17:30:	riyasahu10032004@gamil.com	16 / 30	Riya sahu	Ba bed 2nd year	B. K. P collage d	Bazar ward deori	Mp	9131755323

(3)

1/25/2024 17:32:	katlamjasmin@gmail.com	26 / 30	jasmin katlam	BSC 2nd year	Govt Digvijay Au	Rajnandgaon	chhhattisgarh	6268464548
1/25/2024 17:32:	rajputthini@gmail.com	28 / 30	Bhumika thkaur	Student	D. B girls college	Anand nagar tele	Chhatteesagadh	7587089868
1/25/2024 17:32:	radharanigautam01@gmail.com	30 / 30	Radharani Gauta	B.A.LLB 4th year	B.S.A Collage M	Mani pada Vrind	U.P	7895937902
1/25/2024 17:36:	devnandini011@gmail.com	24 / 30	Devnandini sahu	Vidhyarthi	Govt.RLC Rajim	Rajim Gariyaban	Cg	9617756675
1/25/2024 17:39:	mohitdewangan202@gmail.com	16 / 30	Mohit dewangan	Bsc 3rd sem	Digvijay autonom	Gram and post- E	Chhattisgarh	8450868148
1/25/2024 17:40:	reenapateldmt@gmail.com	26 / 30	Reena	Ias officer	Upsc	Village siltara	Chhattisgarh	7247597663
1/25/2024 17:40:	vermajeevan902@gmail.com	30 / 30	Jeevan Kumar V	Bsc III maths	Government coll	Munda	Chhattisgarh	7489146070
1/25/2024 17:41:	varshuusinha81@gmail.com	24 / 30	Vaishali sinha	MA.pre	Digvijay college r	Digvijay clg	Chhattisgarh	9340191032
1/25/2024 17:42:	tishasahu33@gmail.com	26 / 30	Tisha sahu	Student	Digvijay college	NATHUNAWAGA	Chhattisgarh	6267694646
1/25/2024 17:43:	modikriti@gmail.com	26 / 30	Kriti modi	B.com final	Government Nav	Chandrapur Chh	Chhattisgarh	6362060905
1/25/2024 17:45:	sahuumend459@gmail.com	16 / 30	Renuka	Student	Govt Digvijay Au	Rewagahan post	Chattisgarh	8305318730
1/25/2024 17:46:	khummanlal7@gmail.com	28 / 30	Khumman lal	B.Sc. maths 3 ye	Digvijay college I	Village bhakurra,	Chhatisgarh	9301891072
1/25/2024 17:47:	bhojkumarsuryavanshi@gmail.com	26 / 30	Bhoj kumar surya	Geust lecturer, hi	Navin govt. Colle	Navin govt. Colle	Chhattisgarh	6261084890
1/25/2024 17:47:	jbarsagde@gmail.com	24 / 30	Jyoti bala barsag	Reasurch schola	D. B. Gir	Ganpativihar colo	Chhattisgardh	8889932722
1/25/2024 17:47:	mchandsharma78@gmail.com	14 / 30	Jayshree kaushik	B a 2ndyear	I.o.p.vrindhavan	I.o.p.vrindhavan	Utter pradesh	9870884696
1/25/2024 17:51:	nehakosre6@gmail.com	24 / 30	NEHA	Student	Govt.Digvijay Au	Mohaba Rajnand	Chhattisgarh	9302950517
1/25/2024 17:55:	ramnareshnishad407@gmail.com	26 / 30	Ramnaresh	BSC 1st bio	Govt College Lav	Vill-Dhabadih, po	Chhattisgarh	9301295719
1/25/2024 17:56:	bhansarehemlata@gmail.com	24 / 30	Hemlata Bhansa	BA 3 rd	D.B Girls college	Ghandhi nager k	Chhattisgarh	9407953025
1/25/2024 17:58:	ddewangan081@gmail.com	16 / 30	DHANESHWAR	Student	Govt. Nahru PG	Post:- ramatola ,	Chhattisgarh	6265855442
1/25/2024 18:00:	maju.joy.lic@gmail.com	28 / 30	Dr. J Maju	Assistant profess	St. Thomas Colle	Ruabandha Sect	Chhattisgarh	08319624254
1/25/2024 18:01:	laxmisahu9047@gmail.com	26 / 30	Laxmi sahu	Sutende	गवर्नमेंट शिवनाथ र	C.b nawagaon, p	Chhattisgarh	8269646365
1/25/2024 18:02:	nageshwars667@gmail.com	30 / 30	Priya	Bsc.(Bio)	Govt.Digvijay Au	Pendri	Chhattisgarh	9399384261
1/25/2024 18:03:	Kantaprasad777sahu@gmail.com	18 / 30	Kanta prasad	Student	Govt. Digvijay Au	Sheetla para, Vill	Chhattisgarh	8435487950
1/25/2024 18:06:	chandratarun1011@gmail.com	28 / 30	TARUN CHANDI	Student	Digvijay College	Bhothiya, Block .	Chhattisgarh	7898183369

1/27/2024 15:49:	monikasahu2472001@gmail.com	14 / 30	Monika Sahu	Student	Govt. Digvijay Au	Village-Boirdih, F	Chhattishgarh	6232952018
1/27/2024 15:49:	likeshwarsahu355@gmail.com	26 / 30	Likeshwar	Student	Govt. Digvijay au	C.b. nawagaon, I	Chhattisgarh	6268143554
1/27/2024 15:57:	lumeshwarisahu37@gmail.com	30 / 30	Lumeshwari	Student	Govt. Digvijay Au	C. B. Nawagaon	Chhattisgarh	7999828508
1/27/2024 16:11:	rukhmaniverma82@gmail.com	28 / 30	Miss Rukhmanee	Student	Bhilai College Of	Village - Ghumar	Chhatisgarh	6262061910
1/27/2024 16:16:	prateekatal4@gmail.com	26 / 30	Prateek Atal	Research Fellow	University of Dell	New Delhi	Delhi	9929580303
1/27/2024 16:44:	vedgeetayadav0015@gmail.com	28 / 30	Vedgeeta yadav	Student	Govt digvijay aut	Shivnager ,Rajna	Chhattisgarh	7804880144
1/27/2024 16:55:	hayatjaisal2784@gmail.com	20 / 30	Km Arti kumari	M.A	Mahatma Gandh	Sh17/35 Koilaha	Up	6392447704
1/27/2024 17:12:	pratikshabaghel76@gmail.com	28 / 30	Pratiksha	Student Pgdca	Government digv	Rehchi arjunda b	Chhattisgarh	8435198705
1/27/2024 18:06:	renukapotavi96@gmail.com	30 / 30	Renuka potavi	B. Sc. 2year	Govt. Lal shyam	Village_tohe	Chhattisgarh	8815749101
1/27/2024 18:09:	giraja2003@gmail.com	26 / 30	Girja bhuarya	Bsc.2 year	Lal shyam shah (	Village- Bandhat	Chhattisgarh	6266506452
1/27/2024 18:12:	anamikarai1608@gmail.com	26 / 30	Anamika Rai	Student	Dr Ghanshyam S	Ghazipur suhwal	Uttar Pradesh	7307335050
1/27/2024 18:13:	bhikham175@gmail.com	26 / 30	Dhaneshwari	Dhaneshwari	Digvijay Kollege	Bhilhari	Chhattisgarh	9302377113
1/27/2024 18:48:	fatimahumaira651@gmail.com	30 / 30	Humaira Gul	Student of MSc 2	Govt. Digvijay Au	Ambedkar ward ı	Chhattisgarh	8305219450
1/27/2024 19:16:	chotudev1999@gmail.com	26 / 30	PANKAJ DEWAN	BCA	Digvijay autonom	Rajiv Nagar basa	Chhattisgarh	9399033958
1/27/2024 19:45:	pradeepiaso@gmail.com	28 / 30	PRADEEP KUM/	STUDENT	K.N.I.P.S.S, SUL	POLICE LINE SU	UTTAR PRADES	9169402666
1/27/2024 19:45:	Dksharmambd66@gmail.com	22 / 30	Deepak kumar sl	Asst. Professor	Hindu college	Moradabad	U.P.	8979067597
1/27/2024 20:11:	mishraabhay612@gmail.com	30 / 30	Abhay Kumar	Research schola	Mahatma Gandh	Hindi Vishwavidy	Maharashtra	9695221740
1/27/2024 21:00:	tuleshwaribhuarya25@gmail.com	20 / 30	Tuleshwari Bhua	Student	Govt. Digvijay Au	Village -Chandar	CHHATTISGARH	6266410475
1/27/2024 21:18:	bhoomika.deori@gmail.com	24 / 30	Bhoomika	Student	Govt. Digvijay au	Village Post Deo	Chhattisgarh	6268197216
1/27/2024 22:43:	Avinashsahu3773@gmail.com	24 / 30	Avinash	Student	Government digv	Post khursuni ga	Chhattisgarh	8109533218
1/27/2024 22:48:	jagendrasahu67@gmail.com	26 / 30	Jagendra	Sahu	Digvijay autonom	Vill-khursuni, dist	Chattisgarh	7987700947
1/28/2024 0:04:3	kirandhurw15964@gmail.com	26 / 30	kiran	student	govt digvijay coll	vill & post-parast	chhattisgarh	9691228728
1/28/2024 15:27:	lokeshwar449@gmail.com	24 / 30	Lokeshwar sahu	Student	Nss	Salheghori, lormi	Chhatisgarh	9098633072
1/28/2024 16:00:	sanketjichouksey@gmail.com	30 / 30	Sanket Kumar Cl	Asst. Professor	R.S Govt. PG Gi	R.S Govt. PG Gi	M. P	8989000849

ceived one application from KARAN KUMAR SAHU for admission into Master of Arts in History on 03-07-2024.

Signature of the dealing Personnel

1/28/2024 16:16:	kashyapsonu35048@gmail.com	20 / 30	Sonu kashyap	Student	Government coll	Dhobghatti	Chhattisgarh	7999356771
1/28/2024 18:32:	khileshwarijaiswal2002@gmail.com	22 / 30	Lukeshwar jaisw	Student	Govt. College ko	Lukeshwar jaisw	Chhattisgarh	7987984509
1/29/2024 10:02:	shailsahu319@gmail.com	30 / 30	Shail kumari sah	Student	Govt. Clg. Kotri	Village	C. G	9303660319
1/29/2024 11:58:	prthveeraj69@gmail.com	26 / 30	Prithvee Raj Sing	B.sc 1 year	Sarguja	Manora	Chhattisgarh	6267829353
1/29/2024 14:39:	chhabilalmarkam853@gmail.com	30 / 30	Chhabilal	Msc physics	Autonomous Go	Dondi	Cg	9644415362
1/29/2024 16:36:	devikavermaji@gmail.com	26 / 30	DEVIKA VERMA	Student	Govt. Digvijay Au	Uraidabri Rajnan	Chhattisgarh	7880263320
1/29/2024 18:52:	leenakashyap2208@gemil.com	28 / 30	Leena Kashyap	Student	Govt college kotr	Kekti rajpur dist.	C. g.	6267759937
1/29/2024 19:01:	arjoosingh938@gmail.com	26 / 30	Arjoo Singh Char	BSc 2nd year	Govt. Digvijay Au	Mamta nagar wa	Chhattishgarh	7974826318
1/29/2024 19:47:	harshsahu3814@gmail.com	24 / 30	Harsh Sahu	Student	Dr. B.R. Ambedk	Gargaj chowk, do	Chhattisgarh	9301470773
1/29/2024 20:26:	khushbodewangan40@gmail.com	22 / 30	Khushboo	Student	Govt.Digvijay Aut	Village + post - B	Chhattisgarh	7828985340

समाचार–पत्र

10 पत्रिका
राजनांदगांव, मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2023

व्याख्यान में मुख्य वक्ता ने कहा-

कांग्रेस का उद्देश्य एक देशी संसद का बीजारोपण करना था

राजनांदगांव @ पत्रिका. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के

इतिहास विभाग में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना और विकास विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता वसंता कॉलेज फॉर वूमेन राजघाट वाराणसी से डॉ. पुनीता पाठक थीं। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। डॉ. पाठक ने बताया कि कांग्रेस की स्थापना के पूर्व भी अनेक संस्थाएं थीं, पर वह राष्ट्रीय स्तर की नहीं थीं। 1885 में कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य राष्ट्रीय हित के उद्देश्य में संलग्न व्यक्तियों में परस्पर संपर्क स्थापित करने तथा एक देशी संसद का बीजारोपण किया जाना था, जो इस बात का जवाब होगा कि भारतीय लोग अब तक की किसी भी प्रकार की प्रतिनिधि संस्था चलाने के योग्य है।

उन्होंने इस तथ्य का विशेष रूप से उल्लेख किया कि आरंभ में कांग्रेस को अंग्रेजों का सहयोग प्राप्त था। 1888 के बाद कांग्रेस संबंधी नीतियों में परिवर्तन होना आरंभ हो गया। इसका प्रमुख कारण था भारत में राष्ट्रीय भावना की तीव्र गति से प्रगति। उन्होंने कांग्रेस की स्थापना से संबंधित विभिन्न विचारधारा का भी सविस्तार जानकारी प्रदान की। कांग्रेस के उद्देश्यों से पता चलता है कि इसका आरंभिक लक्ष्य सामाजिक था यह देश हित दृष्टिकोण से भारत में सामाजिक और राष्ट्रीय एकता लाना चाहती थी तथा देश की भलाई में प्रयत्नशील होना चाहती थी। धीरे-धीरे इसका उद्देश्य राजनीति हो गया तथा इसका अंतिम लक्ष्य स्वतंत्रता प्राप्ति हो गया था। अंत में आभार प्रदर्शन हिरेन बहादुर ठाकुर द्वारा किया गया।

रायपुर • मंगलवार • 10.10.2023 4
navabharat.news

न्यूज डायरी

कांग्रेस का उद्देश्य एक देशी संसद का बीजारोपण किया जाना था- डॉ. पुनीता पाठक

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसकी मुख्य वक्ता डॉ पुनीता पाठक वसंता कॉलेज फॉर वूमेन राजघाट वाराणसी थी. व्याख्यान का शीर्षक "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना और विकास" था. आरंभ में प्राचार्य डॉक्टर केएल टांडेकर ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला. विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया. डॉ.पाठक ने अपने व्याख्यान में बताया था कि कांग्रेस की स्थापना के पूर्व भी अनेक संस्थाएं थी, पर वह राष्ट्रीय स्तर की नहीं थी. 1885 में कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य राष्ट्रीय हित के उद्देश्य में संलग्न व्यक्तियों में परस्पर संपर्क स्थापित करने तथा एक देसी संसद का बीजारोपण किया जाना था जो इस बात का जवाब होगा कि भारतीय लोग अब तक की किसी भी प्रकार की प्रतिनिधि संस्था चलाने के योग्य है. उन्होंने इस तथ्य का विशेष रूप से उल्लेख किया कि आरंभ में कांग्रेस को अंग्रेजों का सहयोग प्राप्त था. 1888 के पश्चात कांग्रेस संबंधी नीतियों में परिवर्तन होना आरंभ हो गया. इसका प्रमुख कारण था भारत में राष्ट्रीय भावना की तीव्र गति से प्रगति. उन्होंने कांग्रेस की स्थापना से संबंधित विभिन्न विचारधारा का भी सविस्तार जानकारी प्रदान की. कांग्रेस के उद्देश्यों से पता चलता है कि इसका आरंभिक लक्ष्य सामाजिक और यह देश हित दृष्टिकोण से भारत में सामाजिक और राष्ट्रीय एकता लाना चाहती थी तथा देश की भलाई में प्रयत्नशील होना चाहती थी. धीरे-धीरे

प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

प्रतिभा सम्मान समारोह में विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए अतिथि। ● आयोजक

राजनांदगांव (नईदुनिया न्यूज)। नगर की बहुआयामी संस्था यामिनी क्रीड़ा एवं कला केंद्र द्वारा रविवार को पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें संस्था द्वारा विगत दिनों आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के 50 विजेता छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षा, चित्रकला, लोक कला एवं खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विपणन अधिकारी प्रियंका देवांगन थीं। अध्यक्षता दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डा. शैलेन्द्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महंत राजा बलराम दास उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शाला के प्राचार्य एनएस पट्टा, ठाकुर प्यारेलाल सिंह उच्चतर माध्यमिक शाला के प्राचार्य भूषण लाल साव एवं दिग्विजय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक गोकुल राम निषाद उपस्थित थे। यामिनी क्रीड़ा एवं कला केंद्र के अध्यक्ष रीतेश देवांगन ने बताया कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्था के द्वारा एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 80 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था।

कार्यक्रम में इसी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शिक्षा, चित्रकला, लोककला एवं खेल के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले रंगकर्मी एवं नृत्य निर्देशक सुदेश यादव, नृत्य निर्देशक भारती यादव, प्रधानपाठक प्रकाश साहिया, अंडर-19 विश्व वालीबल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी महेंद्र ध्रुवे, खेल प्रशिक्षक एवं कलाकार जयेश मुदलियार, चित्रकला प्रशिक्षक राकेश यादव, अजय चौरसिया, व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य ज्योति विनोद, व्याख्याता विनोद झा सहित अन्य शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर संस्था के सचिव पुनाराम यादव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए संस्था की गतिविधियों के विषय में बताया।

नवभारत my city

रदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई

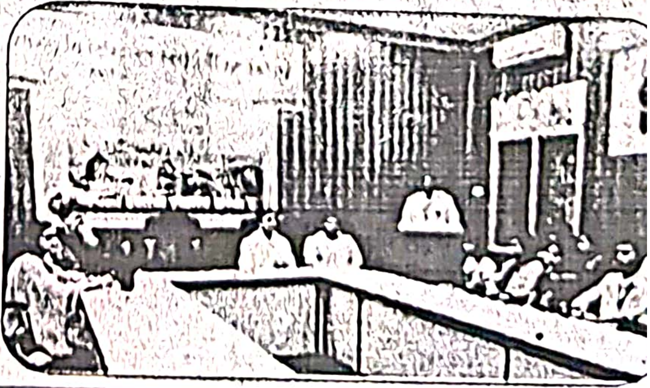

जनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में रदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर प्राचार्य 1. के.एल.टान्डेकर ने कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के क्षपाती थे. ये अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे. नकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्ठुर और भिमानी से लगते थे. परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे. भागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के नी थे. कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे. उनमें दल गठित करने की अद्भुत क्षमता थी. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा 1927 वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया.

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई

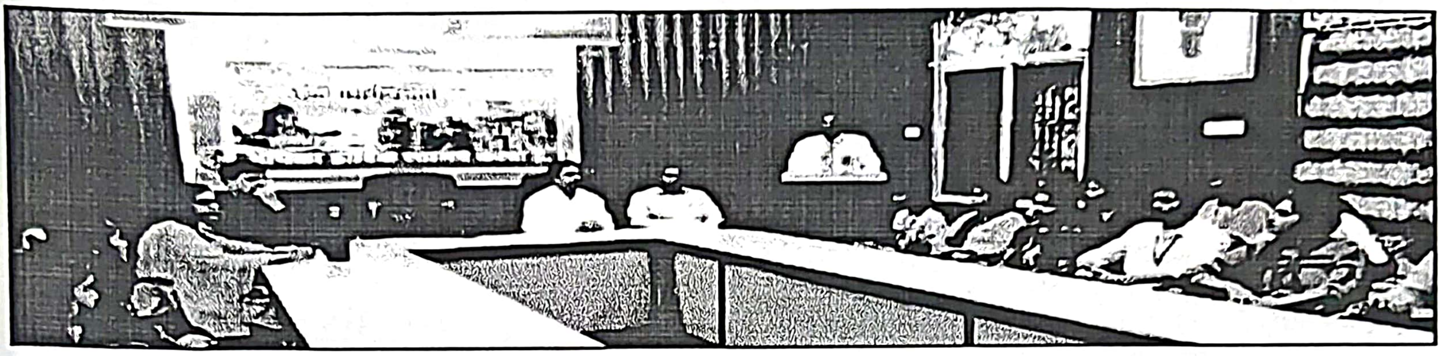

राजनांदगांव (छत्तीसगढ़ झलक)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के. एल. टान्डेकर ने कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के प्रक्षमाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से रुखे निष्ठुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष **डॉ. शैलेन्द्र सिंह** ने कहा कि सरदार पटेल दृढ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे।

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा – 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए. पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।

रायपुर ▪ मंगलवार ▪ 12.12.2023
navabharat.news

न्यूज डायरी

महाविद्यालय में मनाई गई शहीद वीरनारायण सिंह जयंती

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में बिझवार जनजाति में हुआ था. 1856 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पड़ा तब वीरनारायण सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया. संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था. कस्डोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था. विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ. 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये. नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी. अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी. सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मिंत को सौंपी गई. नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए. डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था, मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई. कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूस्कार दिया गया. इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपस्थित थे.

रायपुर, शनिवार, 16 दिसंबर, 2023
haribhoomi.com

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयो[illegible] किया गया। प्रारंभ में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला [illegible] कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इति[illegible] दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्य वक्ता डॉ. आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने इतिहास द[illegible] पर प्रकाश डालते कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है। जबकि दर्शन इतिहास के प्राम[illegible] अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नहीं उठता, जो सफल [illegible] है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है अन्यथा मार्क्स का [illegible] केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटन[illegible] निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है। कार्यक्रम का संचा[illegible] प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ. हेमलता साहू द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह

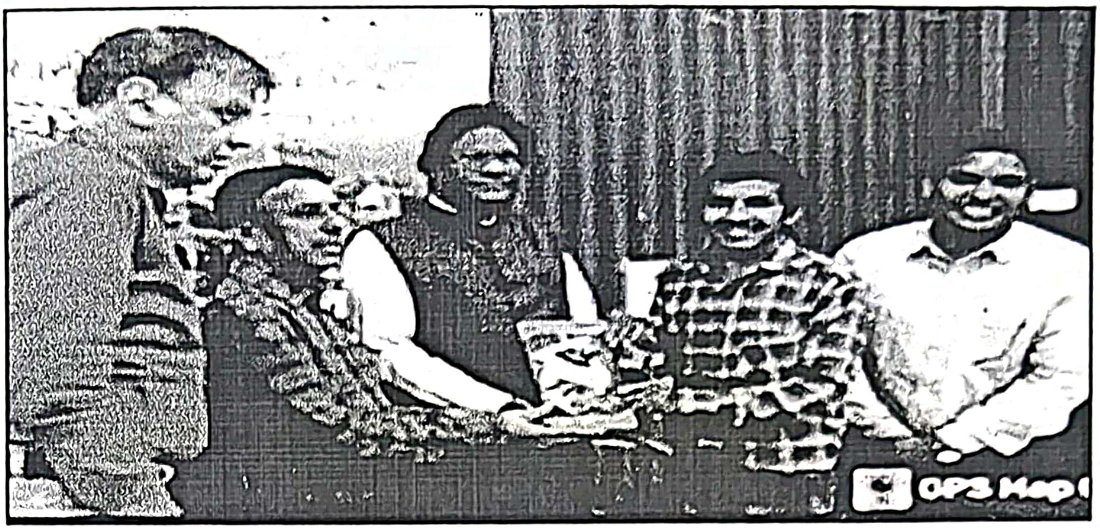

राजनांदगांव (छत्तीसगढ़ झलक)। शा. दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के. एल. टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में बिझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पड़ा तब वीरनारायण सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। कस्डोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमाकर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था।

व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी। अत: उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था- मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूस्कार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपस्थित थे।

रायपुर • शनिवार • 16.12.2023 3
navabharat.news

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर हुआ व्याख्यान

नवभारत रिपोर्टर. राजनांदगांव।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है. इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है.

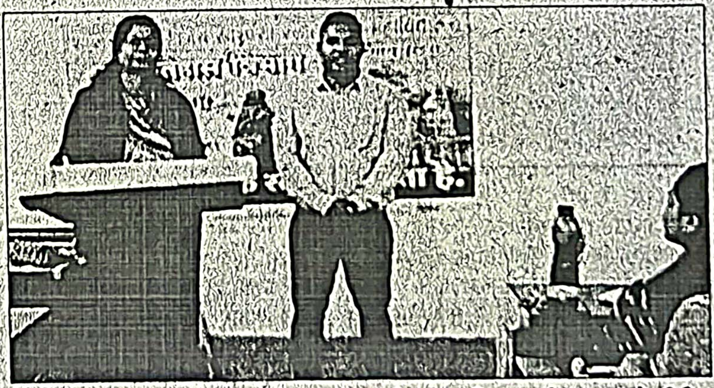

मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबकि दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को ... के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है। अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित ... अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है. कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार ...

छग के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी वीरनारायण को किया याद

दिग्विजय कॉलेज में मनाई गई जयंती

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

राजनांदगांव, 12 दिसंबर। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में बिझवार जनजाति में हुआ था।

1856 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पड़ा, तब वीरनारायण सिंह ने ब्रिटिश कंपनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। कसडोल के एक व्यापारी माखन में अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था।

विभागध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ, उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गए। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटिश सरकार उन पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थीं। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था। मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई।

कार्यक्रम का संचालन करते प्रो. होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजो के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरस्कार दिया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारावे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर डॉ. अजय शर्मा, डॉ. हेमलता साहू तथा एमए के विद्यार्थी उपस्थित थे।

पत्रिका राजनांदगांव 08 पत्रिका
राजनांदगांव, शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023

याद किए गए कर्मयोद्धा

जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला

कॉलेज में मनी शहीद वीरनारायण की जयंती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय कॉलेज के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ़ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में बिझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पड़ा तब वीरनारायण सिंह ने ब्रिटिश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया।

संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। कसडोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था।

विभागध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ, उसकी, हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गए। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटिश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी। अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था- मेरे कोर्ट के समक्ष जमींदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई।

रायपुर, शनिवार 16 दिसंबर 2023
haribhoomi.com

छग के ऐतिहासिक धरोहर व पर्यटन स्थल विशेष कोर्स

■ पाठ्यक्रम के लिए 46 छात्र हुए पंजीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल के मार्गदर्शन में ''छत्तीसगढ के ऐतिहासिक धरोहर एवं पर्यटन स्थल'' विषय पर डॉ. फुलसो राजेश पटेल द्वारा 12 से 31 दिसंबर तक छत्तीसगढ के महत्व को ध्यान में करते रखते 30 घंटे का कोर्स प्रारंभ किया गया है।

पाठ्यक्रम संचालन का मुख्य उदेश्य क्षेत्र की महत्व को ध्यान में रखते महत्वपूर्ण सिलेबस तैयार किया गया है। प्रत्येक अध्याय को विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर. व्याख्यान कराया जाता है। विद्यार्थियों के लिए विषय स्नातक उपाधि के उपरांत स्वरोजगार प्राप्ति तथा प्रतियोगिता परीक्षा की दृष्टि से अत्याधिक उपयोगी एवं महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है।

प्रथम दिवस 'छत्तीसगढ के ऐतिहासिक धरोहर एवं पर्यटन' कार्यक्रम प्रारंभ के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 12 दिसंबर को दिग्विजय कॉलेज के डॉ. शैलेन्द्र सिंह आमंत्रित थे। प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल ने स्वागत उद्बोधन करते कहा कि संबंधित पाठ्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशानुसार मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम छत्तीसगढ के 'ऐतिहासिक धरोहर एवं पर्यटन स्थल' विषय पर आयोजित यह पाठ्यक्रम कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को छत्तीसगढ की संस्कृति को जाानने का अवर प्राप्त होगा। उनके समान्य ज्ञान में भी वृद्धि होगी, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी है।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ में अनेक ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल पर्यटन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। अतीत से ही छत्तीसगढ गौरवशाली एवं समृद्धशाली रहा है। पाषाणकालीन युग से ही इसके इतिहास में साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। रायगढ का कबरा पहाड़ तथा बालोद जिले का चितवा डोंगरी का उल्लेख किया है। पाषाणकालीन चित्रकला आज भी प्रमाण स्वरूप उपलब्ध है। यहां की ऐतिहासिक धरोहर सिरपुर, मल्हार ताम्रकाल से लेकर मध्यकाल तक क्रमबद्ध इतिहास प्राप्त हुआ है। दुर्ग स्थित प्राचीन शिव मंदिर, तालागांव में देवरानी-जेठानी मंदिर है, बारसुर गांव में विशाल गणेश मंदिर है, बलरामपुर जिले में डीपाडीह स्थित है। यहां के दर्शनीय स्थलों में सामत झरना, रानी पोखर, चामुंडा मंदिर, पंचायत मंदिर के भव्य अवशेष प्राप्त होते है। कवर्धा जिले में स्थित भोरमदेव का मंदिर फणी नागवंशी राजा गोपाल देव ने 1000 ई. में निर्माण कराया था। डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ के विभिन्न भू-भागों में स्थित ऐतिहासिक पुरातात्विक धरोहर के महत्व पर विस्तृत वर्णन किया। इस पाठ्यक्रम में 46 विद्यार्थी पंजीकृत है। मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम में गुणवंता दास खरे, सोमेश्वरी वर्मा, यानेश्वरी देशमुख शामिल हुए।

10 रायपुर, 20 दिसंबर 2023, बुधवार

इतिहास दर्शन पर व्याख्यान

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

राजनांदगांव, 20 दिसंबर। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंभ में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है।

मुख्य वक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है। जबकि दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है।

इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफ्ल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है। कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ. हेमलता साहू द्वारा किया गया।

पत्रिका
राजनांदगांव, गुरुवार, 11 जनवरी, 2024

ब्रीफ न्यूज

किया जागरूक

नई शिक्षा नीति के संबंध में स्कूली बच्चों को दी जानकारी

राजनांदगांव @ पत्रिका. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि के लिए ठाकुर प्यारेलाल सिंह उच्चत्तर माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बहु विषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत एक वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जीई विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्नशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभक्ति विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएंगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुओं से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के. विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सही जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।

रायपुर, गुरुवार, 11 जनवरी, 2024
haribhoomi.com

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

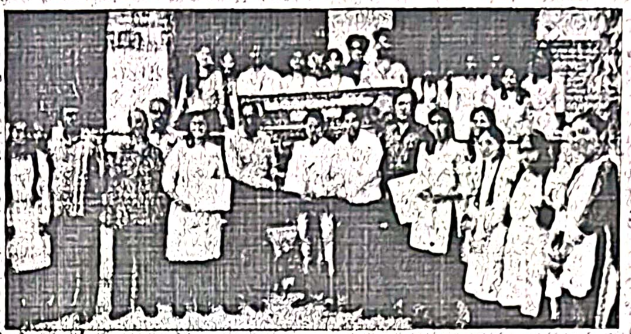

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह उ.मा.शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्ष बाद एडवांस डिप्लोमा, 3 वर्ष बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षो के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएंगी। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षिणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं।

विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जीई विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्नशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभक्ति विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है।

प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा करते कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएंगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुओं से परिचित होंगे। इस अवसर पर एमए के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सही जवाब देने पर उन्हें पुरस्कृत किया।

11 जनवरी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बहुविषयक व समग्र शिक्षा है

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

दिग्विजय कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि के लिए ठाकुर प्यारेलाल स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। जिसमें एक वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा, 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री, 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षा नीति के तहत कला, विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई [illegible] अपनी इच्छा अनुरूप विषयों का चुनाव करेंगे। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जीई विषय के रूप में चुनेंगे। इंटर्नशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर जोर दे रहें है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभक्ति विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा करते कहा कि इससे विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएंगे तो वह नई शिक्षा नीति के सभी [illegible]

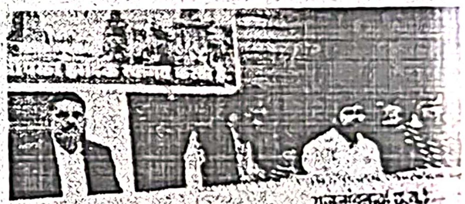

इतिहास विभाग में मनी सुभाषचंद बोस की जयंती

राजनांदगांव, 25 जनवरी। शासकीय दिग्वि[illegible] महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बो[illegible] जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, मुख्य [illegible] जितेन्द्र साखरे, डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस [illegible] चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया ग[illegible]

डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषच[illegible] बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटे-छोटे आंदो[illegible] में शक्ति व्यय करने के स्थान पर कोई ठोस कार्य [illegible] कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हें [illegible] के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत [illegible] स्वतंत्रता के प्रयत्न करने चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने [illegible] इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रय[illegible] किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फ्री इं[illegible] सेंटर की स्थापना की।

प्राचार्य टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन [illegible] द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौ[illegible]

भास्कर दूत रायपुर, बुधवार 24 जनवरी 2024

दिग्विजय कालेज के इतिहास विभाग में मनी नेताजी सुभाषचंद्र जयंती की जयंती

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा नेताजी सुभाषचंद बोस की जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता जितेन्द्र साखरे सह प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मिदेवी महाविद्यालय खैरागढ़, विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटे-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के स्थान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत की स्वतंत्रता के प्रयत्न करने चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फ्री इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर फारवर्ड ब्लाक नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार नही किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने शहीद दिवस मनाया तथा घोषणा की हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा... दुर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूर्ण पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की, जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।

रायपुर • बुधवार • 24.01.2024 3
navabharat.news

न्यूज डायरी

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती

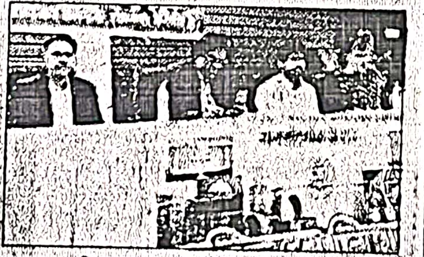

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई. प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ़, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया. विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटे-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के स्थान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा. उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने चाहिए. सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फ्री इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर शफारवर्ड.ब्लाकश् नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार नही किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने शशहीद दिवसश् मनाया तथा घोषणा की शहमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगाश् दुर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की

एक दिन होता था श्रमदान, 200 साल पूर्व तैयार किया रानीसागर

राजा घासीदास के समय पेयजल सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए कराया गया था निर्माण, बूढ़ासागर का भी कराया गया निर्माण

“ जिला मुख्यालय स्थित रानी सागर का इतिहास 200 वर्ष पुराना है। पेयजल सहित अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राजा घासीदास के कार्यकाल के दौरान इसका निर्माण कराया गया था। आज रानी सागर तथा बूढ़ासागर के आसपास के क्षेत्र में त्रिवेणी परिसर से लेकर आनंद वाटिका, चौपाटी, बर्ड पार्क सहित अन्य सुविधाएं परिसर की शोभा बढ़ा रही है।

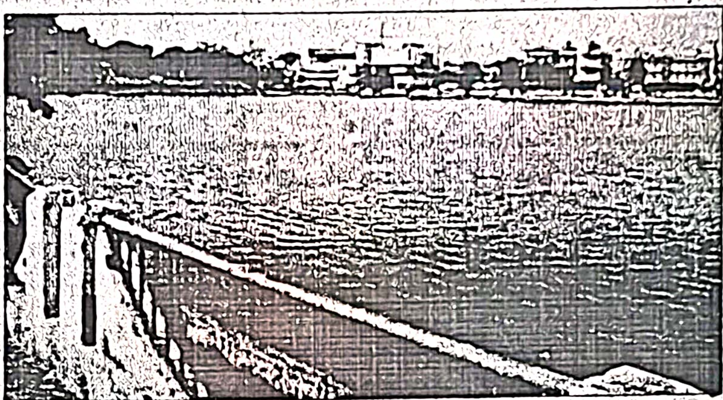

ज्ञात हो कि नांदगांव शहर को राजाओं ने ही बसाया था। सन् 1850 के आसपास जब यहां के राजा घासीदास थे। उनके कार्यकाल के दौरान ही लोगों ने अपने अथक मेहनत से रानी सागर का निर्माण किया। लगभग 42 एकड़ क्षेत्रफल में फैले रानी सागर के पानी के उपयोग पूर्व के वर्षों में पेयजल के साथ-साथ राजघराने में रहने वाली रानियां विशेष रूप सें करती थी। उसके समीप लगभग 30 एकड़ क्षेत्रफल में बूढ़ासागर का निर्माण भी कराया गया था, जिसके पानी का उपयोग भी समय-समय पर यहां के रहवासी ही करते रहे हैं। नगर निगम के टाउन हाल में भी लगाई पट्टिका में 1935-36 से रानी सागर तथा बूढ़ासागर के अस्तित्व की जानकारी दी जा रही है. प्रारंभिक दिनों में रानी सागर के पानी का उपयोग पेयजल के रूप में ही अधिक से अधिक होता रहा है। समय के साथ राजनांदगांव शहर में ही तत्कालीन राजाओं ने प्रदेश के पहले मोहारा तट पर वाटर टैंक का निर्माण भी कराया है, जिसका इतिहास भी काफी पुराना है। बहरहाल आज रानी सागर तथा

काफी पुराना है रानी सागर का इतिहास - शैलेन्द्र सिंह

इतिहास के प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र सिंह का कहना है कि रानी सागर का इतिहास 200 वर्ष से अधिक पुराना है। रानी घासीदास के समय ही इसका निर्माण कराया गया था। उस समय सप्ताह में एक दिन राजा के आज्ञा के मुताबिक एक दिन श्रमदान करते थे। रानी सागर के पानी का उपयोग पूर्व में पेयजल तथा महल में निवास करने वाली रानियां करती थी। राजाओं ने ही जमातपारा की व्यवस्था की थी, जहां पर साल में एक बार श्रद्धालुओं का जत्था आता था। बाद में राजाओं ने पेयजल के लिए वॉटर टैंक का निर्माण भी कराया, जो कि छत्तीसगढ़ का वॉटर टैंक था।

बूढ़ासागर के चारों तरफ आनंद वाटिका
लेकर बर्ड पार्क, बर्थ-डे पार्क, योगा भव
त्रिवेणी परिसर, शासकीय दिग्विज
महाविद्यालय आदि शोभा बढ़ा रहे
इतिहासकार तथा नगर निगम
अधिकारिक सूत्रों की माने तो कुल 15
एकड़ का क्षेत्रफल है। जहां पर रानी साग
से लेकर बूढ़ासागर के पानी का उपयो
निस्तारी के रूप में किया जा रहा है।

जयंती मनाई गई

बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे नेताजी सुभाषचंद बोस: साखरे

राजनांदगांव @ पत्रिका. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। मुख्य वक्ता जितेंद्र साखरे सहा. प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी कॉलेज खैरागढ़ रहे। इस असवसर परप्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर, विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने भी उद्‌बोधन दिया।

मुख्य वक्ता साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की, किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार नहीं किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने शहीद दिवस मनाया तथा घोषणा की हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा दुर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचंद्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर अलग दल बनाया।

सावरकर ने बोस की क्षमता को पहचाना

विभागाध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटे-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के स्थान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचंद्र बोस को राय दी कि उन्हें देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने चाहिए। सुभाषचंद्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना की।

रायपुर ▪ मंगलवार ▪ 20.02.2024
navabharat.news
2

एक दिन होता था श्रमदान, 200 साल पूर्व तैयार किया रानीसागर

राजा घासीदास के समय पेयजल सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए कराया गया था निर्माण, बूढ़ासागर का भी कराया गया निर्माण

“ जिला मुख्यालय स्थित रानी सागर का इतिहास 200 वर्ष पुराना है। पेयजल सहित अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राजा घासीदास के कार्यकाल के दौरान इसका निर्माण कराया गया था। आज रानी सागर तथा बूढ़ासागर के आसपास के क्षेत्र में त्रिवेणी परिसर से लेकर आनंद वाटिका, चौपाटी, बर्ड पार्क सहित अन्य सुविधाएं परिसर की शोभा बढ़ा रही है।

ज्ञात हो कि नांदगांव शहर को राजाओं ने ही बसाया था। सन् 1850 के आसपास जब यहां के राजा घासीदास थे। उनके कार्यकाल के दौरान ही लोगों ने अपने अथक मेहनत से रानी सागर का निर्माण किया। लगभग 42 एकड़ क्षेत्रफल में फैले रानी सागर के पानी के उपयोग पूर्व के वर्षों में पेयजल के साथ-साथ राजघराने में रहने वाली रानियां विशेष रूप से करती थी। उसके समीप लगभग 30 एकड़ क्षेत्रफल में बूढ़ासागर का निर्माण भी कराया गया था, जिसके पानी का उपयोग भी समय-समय पर यहां के रहवासी ही करते रहे हैं। नगर निगम के टाउन हाल में भी लगाई पट्टिका में 1935-36 से रानी सागर तथा बूढ़ासागर के अस्तित्व की जानकारी दी जा रही है. प्रारंभिक दिनों में रानी सागर के पानी का उपयोग पेयजल के रूप में ही अधिक से अधिक होता रहा है। समय के साथ राजनांदगांव शहर में ही तत्कालीन राजाओं ने प्रदेश के पहले मोहारा तट पर वाटर टैंक का निर्माण भी कराया है, जिसका इतिहास भी काफी पुराना है। बहरहाल आज रानी सागर तथा बूढ़ासागर के चारों तरफ आनंद वाटिका [से] लेकर बर्ड पार्क, बर्थ-डे पार्क, योगा भव[न] त्रिवेणी परिसर, शासकीय दिग्विज[य] महाविद्यालय आदि शोभा बढ़ा रहे [हैं] इतिहासकार तथा नगर निगम [के] अधिकारिक सूत्रों की माने तो कुल 15[...] एकड़ का क्षेत्रफल है। जहां पर रानी साग[र] से लेकर बूढ़ासागर के पानी का उपयो[ग] निस्तारी के रूप में किया जा रहा है।

काफी पुराना है रानी सागर का इतिहास - शैलेन्द्र सिंह

इतिहास के प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र सिंह का कहना है कि रानी सागर का इतिहास 200 वर्ष से अधिक पुराना है। रानी घासीदास के समय ही इसका निर्माण कराया गया था। उस समय सप्ताह में एक दिन राजा के आज्ञा के मुताबिक एक दिन श्रमदान करते थे। रानी सागर के पानी का उपयोग पूर्व में पेयजल तथा महल में निवास करने वाली रानियां करती थी। राजाओं ने ही जमातपारा की व्यवस्था की थी, जहां पर साल में एक बार श्रद्धालुओं का जत्था आता था। बाद में राजाओं ने पेयजल के लिए वॉटर टैंक का निर्माण भी कराया, जो कि छत्तीसगढ़ का वॉटर टैंक था।

पत्रिका राजनांदगांव 06
पत्रिका
राजनांदगांव, शुक्रवार, 23 फरवरी, 2024

सम्मेलन: कॉलेज की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया

अभिभावक अपने बच्चों से पढ़ाई की जानकारी समय पर लेते रहें :डॉ. सिंह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय कॉलेज के इतिहास विभाग में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने अभिभावकों को कॉलेज से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आप हमेशा अपने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें और कॉलेज के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महा. द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके। इस अवसर पर अभिभावक पुरूषोत्तम तिवारी, गौतमराय यादव, सच्चिदानंद सोनकर, चैतराम साहू, सुशीला बाई साहू, रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, निखिल दास वैष्णव, हेमबाई साहू, भोजराम साहू तथा अन्य उपस्थित रहे।

नवभारत my city

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

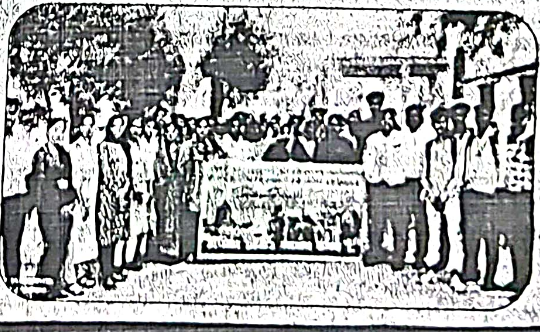

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई।

भास्कर दूत

दिल में छत्तीसगढ़

web- www.bhaskardoot.com

डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24

वर्ष-11 अंक - 51 RNI-CHHHIN/2014/65697 रायपुर, रविवार 25 फरवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य - 02 रुपये

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से

किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है,

दैनिक

भास्कर दूत

नज़र हर ख़बर पर

दिल में छत्तीसगढ़

web- www.bhaskardoot.com

डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24

वर्ष-11 ◆ अंक - 79 ◆ RNI-CHHHIN/2014/55697 ◆ रायपुर, रविवार 24 मार्च 2024 ◆ पृष्ठ-8 ◆ मूल्य - 02 रुप

इतिहास विभाग में मना शहीद दिवस

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में क्रांतिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत में जहां गांधीवादी आंदोलन चलते रहे वहीं क्रांतिकारियों ने अपने प्रयासों से भारत को आजादी दिलाने का संकल्प ले रखा था। क्रांतिकारियों में सरदार भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार द्वारा जनता की इच्छा के विरूद्ध पारित 'ट्रेड डिस्प्यूटस बिल' का विरोध किया। क्रांतिकारियों ने इस बिल को रूकवाने हेतु केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंकने का निर्णय लिया था।

9 अप्रैल 1929 को जब 'पब्लिक सेफ्टी बिल' पर केन्द्रीय असेम्बली पर वहां चल रहा था जो भगत सिंह ने असेम्बली पर बम फेंककर जनता का ध्यान आकर्षित करवाने का प्रयास किया था। प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर ने कहा कि क्रांतिकारियों के योगदान को भारतीय इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। ब्रिटिश सरकार द्वारा 'लाहौर षड़यंत्र केस' रचकर भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को गिरफ्तार कर लिया गया था। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को फांसी दे दी गई। आज यह

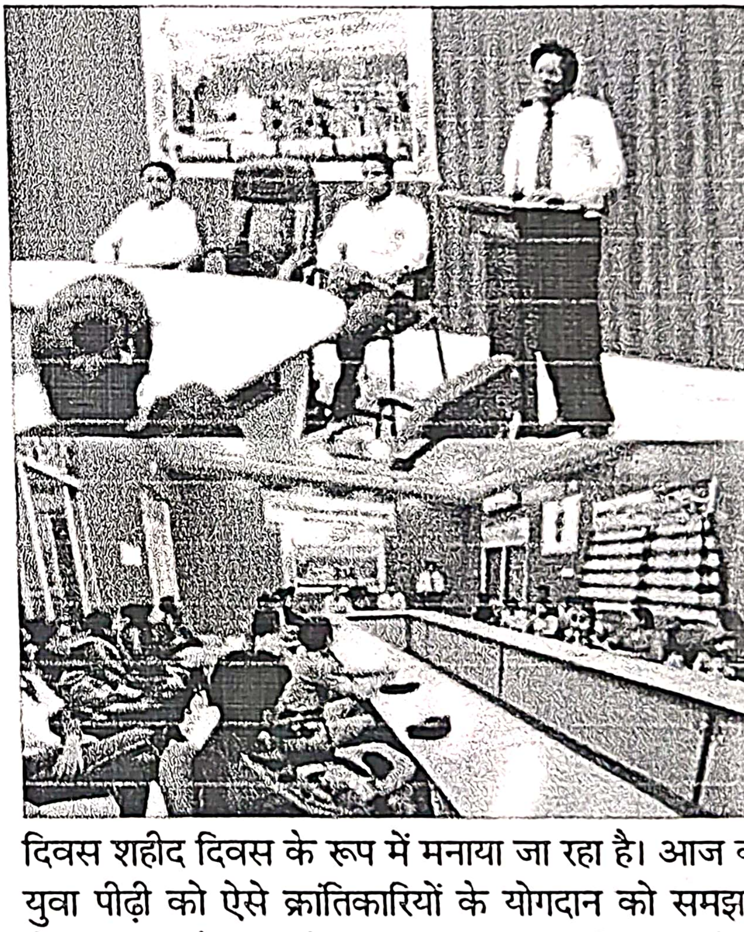

दिवस शहीद दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज क युवा पीढ़ी को ऐसे क्रांतिकारियों के योगदान को समझ होगा तथा इनके आदर्शों का पालन करना चाहिए। कार्यक्र का संचालन एवं आभार प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्व किया गया।

रायपुर • रविवार • 24.03.2024
navabharat.news

न्यूज डायरी

इतिहास विभाग में शहीद दिवस मनाया गया

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में क्रांतिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत में जहां गांधीवादी आंदोलन चलते रहे वहीं क्रांतिकारियों ने अपने प्रयासों से भारत को आजादी दिलाने का संकल्प ले रखा था। क्रांतिकारियों में सरदार भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार द्वारा जनता की इच्छा के विरूद्ध पारित ''ट्रेड डिस्प्यूटस बिल'' का विरोध किया। क्रांतिकारियों ने इस बिल को रूकवाने हेतु केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंकने का निर्णय लिया था। 9 अप्रैल 1929 को जब ''पब्लिक सेफ्टी बिल'' पर केन्द्रीय असेम्बली पर वहां चल रहा था जो भगत सिंह ने असेम्बली पर बम फेंककर जनता का ध्यान आकर्षित करवाने का प्रयास किया था। प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर ने कहा कि क्रांतिकारियों के योगदान को भारतीय इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। ब्रिटिश सरकार द्वारा ''लाहौर षड़यंत्र केस'' रचकर भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को गिरफ्तार कर लिया गया था। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को फांसी दे दी गई। आज यह दिवस शहीद दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज का युवा पीढ़ी को ऐसे क्रांतिकारियों के योगदान को समझना होगा तथा इनके आदर्शों का पालन करना चाहिए। संचालन एवं आभार प्रो. हीरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा किया गया।

14 | नईदुनिया
रायपुर, सोमवार 25 मार्च, 2024

आजादी के क्रांतिकारियों के योगदानों को किया याद

राजनांदगांव (वि.)। दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में बलिदान दिवस मनाया गया। विभागाध्यक्ष डा. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में क्रांतिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत में जहां गांधीवादी आंदोलन चलते रहे वहीं क्रांतिकारियों ने अपने प्रयासों से भारत को आजादी दिलाने का संकल्प ले रखा था। क्रांतिकारियों में सरदार भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार द्वारा जनता की इच्छा के विरूद्ध पारित ट्रेड डिस्प्यूटस बिल का विरोध किया। क्रांतिकारियों ने इस बिल को रूकवाने के लिए केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने का निर्णय लिया था। नौ अप्रैल 1929 को जब पब्लिक सेफ्टी बिल पर केंद्रीय असेंबली पर चल रहा था जो भगत सिंह ने असेंबली पर बम फैंककर जनता का ध्यान आकर्षित करवाने का प्रयास किया था।

बलिदान दिवस कार्यक्रम पर अपने विचार रखते प्राध्यापक। • आयोजक

षड्यंत्र रचकर गिरफ्तार किया गया: प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने कहा कि क्रांतिकारियों के योगदान को भारतीय इतिहास में हमेशा याद [illegible] लाहौर षड्यंत्र केस रचकर भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को गिरफ्तार कर लिया गया था। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव [illegible] बलिदान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी को ऐसे क्रांतिकारियों के योगदान को समझना होगा। इनके आदर्शों का पालन करना [illegible]